

तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,सोमवार 16 नवंबर 2026 ■ कार्तिक शुक्ल पक्ष-7 ■ वर्ष -42 ■ अंक-226 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 17 नवंबर 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

सुखदेव भगत के छत्तीसगढ़ दौरे पर अजय चंद्राकर ने कसा तंज

रायपुर,16 नवंबर। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने तंज कसा है. उन्होंने कहा कि 'वोट चोरी, वोट बचाओ' संवैधानिक संस्थाओं पर एक आरोप है. असल में 'वोट चोरी, वोट बचाओ' अभियान को 'कांग्रेस बचाओ' अभियान कर देना चाहिए. भाजपा के वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस के पास अपने अस्तित्व को बचाने के लिए कोई जनहित विषय नहीं है. सुखदेव भगत की राजनीतिक योग्यता के अनुसार झारखंड में कांग्रेस सत्ता से कितने दिनों से बाहर है, यह भी बताए. वहीं जनजाति गौरव दिवस पर नितिन नबीन के नहीं आने पर कांग्रेस के भाजपा पर जनता का डर का आरोप लगाए जाने पर अजय चंद्राकर ने कहा कि ये कांग्रेस का कार्यालय मौसम विभाग का कार्यालय है क्या? कांग्रेस के नेताओं को मौसम विभाग में संविदा में लगा देना चाहिए. मौसम की उचित जानकारी इन्हें पता है. हकीकत यह है कि मौसम खराब होने की वजह से राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं आए. छत्तीसगढ़ से सीआरपीएफ के नक्सल विरोधी बटालियन को हटाए जाने पर पूर्व मंत्री ने कहा कि बस्तर में अब डीमाइनिंग का काम बाकी है. शांति की बहाली हो गई, अब बटालियन वापस हो रही है. नेताओं की सुरक्षा भी घटाई गई है. स्थिति में सुधार आने के कारण क्रमशः ऐसा हो रहा है. बस्तर में विकास का काम अब लक्ष्य होगा.

कुलगाम हमले का मास्टरमाइंड लतीफ भट्ट समेत 2 आतंकी ढेर

श्रीनगर,16नवंबर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सेना के हाथ बड़ी सफलता लगी है। सुरक्षाबलों ने सोमवार को मुठभेड़ के दौरान कुलगाम हमले के मास्टरमाइंड लतीफ भट्ट को मार गिराया। इसके अलावा 2 और आतंकवादी ढेर किए गए हैं। कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों ने रविवार को मीर बाजार के पास घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। यह अभियान संयुक्त सुरक्षा बलों की ओर से चलाया जा रहा है। सुरक्षाबल इलाके में उन हमलावरों की तलाश में थे, जिन्होंने 11 नवंबर को सीआरपीएफ के जवानों पर गोलीबारी की थी। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। ऑपरेशन की निगरानी के लिए जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (DGP) नलिन प्रभात और कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (IGP) सुजीत कुमार भी मौके पर मौजूद रहे। दरअसल, 11 नवंबर को कुलगाम जिले में नाके पर तैनात सीआरपीएफ के जवानों पर बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने गोलीबारी की थी। यह घटना दोपहर करीब 2:15 बजे हुई थी।





उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर मुख्यमंत्री साय ने की प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना

रायपुर 16 नवंबर ■ तरुण छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज छठ महापर्व के पावन अवसर पर अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ जशपुर जिले के कुनकुरी स्थित छठ घाट में उगते सूर्यदेव को उषा अर्घ्य अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान सूर्यदेव और छठी मैया से प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, खुशहाली और छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति की मंगलकामना की। इस अवसर पर उन्होंने छठ व्रतियों, श्रद्धालुओं सहित समस्त प्रदेशवासियों को लोक आस्था के महापर्व छठ की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छठ घाट पर उपस्थित श्रद्धालुओं और व्रती महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह उनके लिए अत्यंत सौभाग्य और प्रसन्नता का अवसर है कि उन्हें अपने कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र में श्रद्धालुओं के बीच छठ महापर्व में सम्मिलित होकर भगवान सूर्यदेव की आराधना करने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व हमारी सनातन संस्कृति, अटूट लोक आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम संगम है। यह पर्व हमें जीवन के आधार सूर्य, जल और प्रकृति के प्रति श्रद्धा एवं आभार व्यक्त करने की प्रेरणा देता है। छठ पूजा में निहित पवित्रता, अनुशासन, संयम, तप और समर्पण की भावना भारतीय संस्कृति की महान परंपराओं को प्रतिबिंबित करती है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कुनकुरी सहित पूरे जशपुर अंचल में छठ महापर्व के प्रति लोगों की गहरी आस्था है। यहां यह पर्व पूरी श्रद्धा, उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। छठ महापर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक समरसता, पारिवारिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का भी महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि हमारी समृद्ध परंपराएं ही समाज को एकजुट रखने और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य करती हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान सूर्यदेव और छठी मैया से प्रार्थना की कि उनकी कृपा से प्रदेश के प्रत्येक परिवार में सुख, शांति, आरोग्य और समृद्धि बनी रहे। छत्तीसगढ़ विकास, प्रगति और खुशहाली के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे तथा सभी प्रदेशवासियों के जीवन में नई ऊर्जा, आशा और सकारात्मकता का संचार हो।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में छठ व्रती महिलाएं एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

अर्नब, मुरासु के बाद अब साइक्लोन अकवान

रायपुर,16 नवंबर। छत्तीसगढ़ में धीरे-धीरे ठंड महसूस होने लगी है. सुबह और रात के वक्त लोग गर्म कपड़े और अलाव का सहारा ले रहे हैं. इस बीच मौसम का मिजाज फिर बदलने वाला है. ठंड के बीच बारिश के संकेत हैं. फिलहाल मौसम शुष्क बना हुआ है. लेकिन 4 दिनों के बाद बारिश हो सकती है. भारतीय मौसम विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में 25 दिन से कम में तीसरा तूफान की दस्तक होने जा रही है. रविवार को बना वायुमंडलीय डिप्रेशन आज चक्रवाती तूफान में बदलने के आसार हैं. वहीं 17 नवंबर को यह गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है, जिसे संभावित नाम अकवान दिया जा सकता है. अनुमान है कि इसके प्रभाव से छत्तीसगढ़ के दक्षिणी और उत्तरी भिगने की संभावना है. संभावित साइक्लोन अकवान के प्रभाव से दक्षिणी छत्तीसगढ़ में 19 नवंबर से बारिश हो सकती है. 19-21 नवंबर के दौरान प्रदेश में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होगी. वहीं 20 नवंबर को दक्षिणी, जबकि 21 नवंबर को उत्तरी इलाके में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना जताई गई है. छत्तीसगढ़ के साथ ओडिशा में भी बारिश को लेकर आशंका जताई गई है. यहां 18 नवंबर से बारिश का दौर देखने को मिलेगा. 60 किमी की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ भारी बारिश की संभावना है. इसे देखते हुए ओडिशा सरकार ने राज्य के सभी जिलों में अलर्ट जारी कर दिया है. मौसम विभाग के मुताबिक, रायपुर में भी आसमान साफ रहने की संभावना है. यहां अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है. मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 15 नवंबर, रविवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस दुर्ग में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया. प्रदेश में कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई.

गंदगी में रखे 3 हजार किलो से ज्यादा खाद्य सामग्री को विभाग ने कराया नष्ट

बेमेतरा,16 नवंबर। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। बेरला स्थित उत्सव डेयरी में छापेमारी के दौरान करीब 2,000 किलो खोवा, 900 किलो पनीर और 150 किलो अलग-अलग मिठाइयां बेहद खराब हालत में रखी मिलीं। जांच में कई पैकेटों में फफूंद भी पाया गया। खाद्य पदार्थों के अस्वच्छ परिस्थितियों में भंडारण को देखते हुए विभाग ने नगर पालिका के अधिकारियों के सहयोग से पूरी सामग्री को मौके पर ही नष्ट करा दिया। वहीं एनालॉग पनीर निर्माण के संदेह पर नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। कार्रवाई के लिए रायपुर से खाद्य विभाग की विशेष टीम मौके पर पहुंची थी। जानकारी के अनुसार, नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन छत्तीसगढ़ दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देशन में विभागीय टीम ने 15 नवंबर को बेरला स्थित उत्सव डेयरी का निरीक्षण किया। इस दौरान परिसर में खोवा, पनीर और मिठाइयों का भंडारण बेहद गंदी परिस्थितियों में पाया गया। खाद्य पदार्थों के कई पैकेटों में फफूंद लगी हुई थी। इसके अलावा फर्श फिसलन भरा था और पूरे परिसर में स्वच्छता मानकों का उल्लंघन पाया गया। निरीक्षण के दौरान एक और गंभीर अनियमितता सामने आई। विभागीय टीम के मुताबिक, डेयरी में दूध फाड़ने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा एसिटिक एसिड फूड ग्रेड का नहीं था। खाद्य पदार्थों के निर्माण में इस तरह के एसिड का इस्तेमाल उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। खाद्य पदार्थों के भंडारण की बेहद खराब स्थिति को देखते हुए विभाग ने मौके पर रखे करीब 2,000 किलो खोवा, 900 किलो पनीर और 150 किलो अलग-अलग मिठाइयों को नष्ट करने की कार्रवाई की। इस दौरान नगर पालिका के अधिकारियों के साथ स्थानीय प्रशासन, पुलिस और पंचायत पदाधिकारियों का भी सहयोग रहा। विभागीय टीम ने डेयरी में एनालॉग पनीर निर्माण के संदेह के आधार पर खाद्य पदार्थों के नमूने भी जांच के लिए लिए हैं।

महासमुंद जेल की दीवार फांदकर फरार हुए चार कैदी

महासमुंद, 16नवंबर। महासमुंद जिला जेल से 4 कैदी आज सुबह दीवार फांदकर फरार हो गए हैं. इनमें से तीन कैदी NDPS एक्ट और एक कैदी चोरी का आरोपी है. घटना की एडिशनल एसपी ने पुष्टि की है. बताया जा रहा है कि आज सुबह करीबन 4 बजे चारों कैदी जेल की ऊंची दीवार को फांदकर फरार हो गए. भागने वाले चार कैदियों में तीन कैदी धरमवीर , लीलाधर और राजेन्द्र नशे के कारोबार में संलिप्त होने पर NDPS एक्ट के तहत आरोपी बनाए गए हैं, वहीं फरार होने वाला चौथा कैदी पंचराम चोरी का आरोपी है. घटना के बाद जेल में हड़कंप मचा गया. फरार चोरों की तलाश में पुलिस जुट गई है. बताया जा रहा है कि जिला जेल से फरार होने की फिराक में पांच कैदी थे, जिनमें से चार कैदी तो जेल की दीवार फांदने में कामयाब हो गए, लेकिन पांचवा कैदी दीवार फांदने में नाकायाब रहा और गिर गया, जिसे वापस से पकड़ लिया गया है. कैदियों ने दीवार फांदने के लिए जेल में मिलने वाली कंबल का इस्तेमाल किया है. यह पहला मौका नहीं है, जब महासमुंद जिला जेल से कैदी फरार हो गए हों. इसके पहले मई 2021 को दिनदहाड़े 5 कैदी जेल की ऊंची दीवार फांदकर फरार हो गए थे. इनमें से एक कैदी उत्तर प्रदेश के गाजीपुर का रहने वाला था, तो वहीं चार अन्य कैदी महासमुंद जिले के रहने वाले थे. तब जेल प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए चार प्रहरियों को निलंबित किया था, जिसमें मुख्य प्रहरी भी शामिल था.

आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में शामिल होने फिलीपींस रवाना हुए पीएम मोदी

नईदिल्ली,16 नवंबर। पीएम मोदी फिलीपींस दौरे पर रवाना हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 नवंबर को फिलीपींस की राजधानी मनीला में होने वाले 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। आसियान सम्मेलन में दौरान भारत और आसियान देशों के बीच कई मुद्दों पर चर्चा होगी। आसियान सम्मेलन के लिए रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पुर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- आसियान सदस्य देशों के साथ भारत के संबंध देश की "एक्ट ईस्ट पॉलिसी" के केंद्र में हैं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- मैं आज और कल फिलीपींस की राजधानी मनीला में रहूंगा, जहां मैं 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा। भारत, आसियान देशों के साथ अपनी घनिष्ठ मित्रता को बहुत अधिक महत्व देता है। इसके अलावा, मैं फिलीपींस में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों से मिलने के लिए भी उत्सुक हूं। बता दें कि मोदी 17 नवंबर को फिलीपींस की राजधानी मनीला में होने वाले 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रवाना हुए. इस दौरान वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता, क्षेत्रीय सुरक्षा, व्यापार और निवेश बढ़ाने जैसे मुद्दों पर विभिन्न देशों के नेताओं के साथ चर्चा करेंगे। उनकी यात्रा के दौरान भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के नेताओं के बीच क्वाड शिखर सम्मेलन भी प्रस्तावित है। मनीला रवाना होने से पहले जारी बयान में मोदी ने कहा कि भारत और आसियान के संबंध सदियों पुराने सभ्यतागत आदान-प्रदान पर आधारित हैं। आज यह साझेदारी व्यापार, संपर्क, समुद्री सुरक्षा, तकनीक और आपसी



जनसंपर्क जैसे कई क्षेत्रों तक पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों पर बातचीत का महत्वपूर्ण मंच है। मनीला में होने वाला आसियान-भारत शिखर सम्मेलन फिलीपींस के सेबू में आयोजित आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीडीएम)-प्लस के बाद हो रहा है। इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा था कि इसने राज्य प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की स्पष्ट और अटल सीमा तय की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों की कार्रवाई ने देश के सक्रिय और युद्ध के अनुभव पर आधारित रक्षा सिद्धांत को प्रदर्शित किया। क्वाड देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य मौजूदगी और प्रभाव पर नजर रख रहे हैं। भारत लगातार स्वतंत्र, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र की वकालत करता रहा है. भारत का जोर सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान के साथ विवादों का समाधान बातचीत और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत करने पर है। अधिकारियों ने मनीला में क्वाड सम्मेलन की मेजबानी को भी महत्वपूर्ण बताया है। यह बैठक ऐसे समय हो रही है, जब चीन और फिलीपींस के बीच तनाव जारी है. पिछले महीने चीनी राजनयिक ने फिलीपींस के रक्षा सचिव गिल्बर्टो टेओडोरो जूनियर की उस टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी, जिसमें उन्होंने चीन को क्षेत्रीय अशांति पैदा करने वाला देश बताया था। अमेरिकी युद्ध विभाग की 2026 की राष्ट्रीय रक्षा रणनीति में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन को सैन्य ताकत के जरिये रोकने और सीधे टकराव से बचने पर जोर दिया गया है। वहीं, भारत और अमेरिका ने पिछले साल रक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए 10 साल का रूपरेखा समझौता किया था। इसमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त प्रयासों को प्राथमिकता दी गई है।

नक्सलवाद खत्म, बस्तर से फोर्स की वापसी : 1000 से अधिक CRPF जवान भेजे जाएंगे मणिपुर

गृहमंत्री बोले – अब सुरक्षा बलों की आवश्यकता नहीं

कवर्धा,16 नवंबर। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ चलाए गए अभियान में मिली सफलता के बाद अब बस्तर में तैनात केंद्रीय सुरक्षाबलों की वापसी शुरू हो गई है। बस्तर में लंबे समय से तैनात CRPF के जवानों को दूसरे राज्यों में भेजा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, एक हजार से अधिक जवानों को मणिपुर भेजा जा रहा है। वहीं, आने वाले एक महीने में कुछ और बटालियनों की भी बस्तर से वापसी हो सकती है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अब केंद्रीय सुरक्षाबलों की पहले जैसी आवश्यकता नहीं रह गई है। राज्य में बदली परिस्थितियों को देखते हुए बस्तर में तैनात जवानों को दूसरे स्थानों पर भेजा जा रहा है। गृहमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि बस्तर से सुरक्षाबलों के जवानों को दूसरे स्थानों पर भेजने की प्रक्रिया पहले भी जारी रही है। अब नक्सल विरोधी अभियान में मिली सफलता और सुरक्षा परिस्थितियों में आए बदलाव के आधार पर फोर्स की तैनाती में आवश्यक फेरबदल किया जा रहा है। बता दें कि बस्तर में लंबे समय तक नक्सलवाद के खिलाफ अभियान में CRPF और अन्य सुरक्षा बलों की अहम भूमिका रही है। अब नक्सली गतिविधियों में कमी के बीच सुरक्षाबलों की तैनाती की समीक्षा की जा रही है। आने वाले दिनों में कुछ और बटालियनों की वापसी से बस्तर में सुरक्षा बलों की मौजूदगी के स्वरूप में बदलाव देखने को मिल सकता है।



धान खरीदी में गड़बड़ी रोकने प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

रायपुर,16 नवंबर.समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत के साथ ही धमतरी जिले में अवैध धान के भंडारण और उपार्जन केंद्रों में अनधिकृत धान खपाने की आशंका वाले मामलों पर प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। किसानों की मेहनत का उचित मूल्य सुनिश्चित करने और धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा संदिग्ध भंडारण स्थलों की लगातार जांच की जा रही है। इसी कड़ी में राजस्व एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम घुटकेल और उमरगांव में कार्रवाई करते हुए कुल 457 बोरा-कट्टा धान जब्त किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप वास्तविक किसानों को समर्थन मूल्य पर धान विक्रय की सुविधा उपलब्ध कराने और खरीदी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता रोकने के लिए जिला प्रशासन सतर्कता बरत रहा है। कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व, खाद्य एवं संबंधित विभागों की टीमें संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रख रही हैं। संयुक्त टीम ने ग्राम घुटकेल में जांच के दौरान एक मकान में संग्रहित धान का पता लगाया। जांच में सामने आया कि संतोष खंडेलवाल द्वारा अपने ड्राइवर के घर में 147 बोरा धान रखवाया गया था। प्रारंभिक जांच में इस धान को आगामी खरीदी के दौरान उपार्जन केंद्र में खपाने के उद्देश्य से संग्रहित किए



जाने की आशंका व्यक्त की गई। मौके पर धान के भंडारण से संबंधित वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर टीम ने सभी 147 बोरा धान जब्त कर मंडी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया। इसी प्रकार ग्राम उमरगांव में तोषण कुमार साहू के गोदाम की जांच के दौरान धान भंडारण से संबंधित दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। जांच के उपरांत संयुक्त टीम ने गोदाम में रखे 310 कट्टा धान को जब्त किया। दोनों स्थानों पर हुई कार्रवाई से प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिया है कि धान खरीदी व्यवस्था में अनियमितता की आशंका वाले मामलों की गंभीरता से जांच की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी को सुचारू और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए उपार्जन केंद्रों के साथ-साथ गोदामों, सीमावर्ती क्षेत्रों तथा संदिग्ध भंडारण स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। राजस्व, खाद्य, सहकारिता और मंडी विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए अवैध परिवहन एवं भंडारण की शिकायतों पर तत्काल जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शासन की समर्थन मूल्य धान खरीदी व्यवस्था का लाभ केवल पात्र एवं वास्तविक किसानों को मिले। किसी भी स्तर पर अनधिकृत धान को किसानों के नाम पर उपार्जन केंद्रों में बेचने की कोशिश पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

छठ पर छठी मैया के गीतों से गूंजे तालाब और घाट, 36 घंटे के व्रत का हुआ पारण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 16 नवंबर। लोक महापर्व छठ पर रवि एवं सोमवार को पूरा भिलाई-दुर्ग भक्तिमय नजर आया। आज सोमवार की सुबह शहर के विभिन्न तालाबों और छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। व्रतधारी माताओं-बहनों ने उगते सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। छठी मैया के जयकारों और पारंपरिक गीतों के बीच घाटों पर आस्था का अनूठा नजारा देखने को मिला।

36 घंटे की तपस्या पूरी, उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ महापर्व

चार दिवसीय छठ महापर्व के अंतिम दिन सुबह से ही श्रद्धालु पूजा की तैयारियों में जुट गए। पारंपरिक वेशभूषा में सजी व्रती महिलाओं ने जलाशयों में खड़े होकर उदीयमान सूर्य को दूध और जल से अर्घ्य दिया। इसके साथ ही 36 घंटे के कठिन निर्जला व्रत का पारण कर चार दिवसीय अनुष्ठान का समापन किया। इससे पहले रविवार शाम को अस्ताचलगामी सूर्य को संध्या अर्घ्य दिया गया था।

प्रशासन की तैयारी से घाटों पर दिखी बेहतर व्यवस्था

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने सेक्टर-2 एवं सेक्टर-7 तालाब सहित प्रमुख छठ घाटों का निरीक्षण कर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। नगर निगम द्वारा हुडको, सेक्टर-2, सेक्टर-7, सेक्टर-1 कुंड तालाब, लक्ष्मण तालाब, बापू नगर तालाब और बैकुंठ धाम सहित विभिन्न जलाशयों में सफाई एवं रोशनी की व्यवस्था की गई।







छठ गीतों से गूंजे घाट, परंपरा से जुड़ी नई पीढ़ी

विभिन्न घाटों पर परिवारों की सामूहिक सहभागिता देखने को मिली। पूजा सामग्री से सजे सूप, फल, ठेकुआ और दीपों से सजे घाटों ने उत्सव की रौनक बढ़ाई। पारंपरिक छठ गीतों के बीच बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने मिलकर इस पर्व की खुशियां साझा कीं। आज की युवा पीढ़ी भी अपने परिवारों के साथ घाटों पर पहुंचकर इस परंपरा से जुड़ती नजर आई। सोशल मीडिया के दौर में भी छठ की पारंपरिक संस्कृति, लोकगीतों और सामूहिक पूजा के प्रति युवाओं का उत्साह भारतीय परंपराओं की जीवंतता को दर्शाता है।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय ने घाटों पर पहुंचकर दी शुभकामनाएं

भिलाई, 16 नवंबर। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय ने छठ महापर्व के पावन अवसर पर सेक्टर-2, इंडस्ट्रियल एरिया, रिसाली सहित शहर के विभिन्न तालाब एवं छठ घाटों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने व्रतधारी माताओं-बहनों एवं श्रद्धालुओं से मुलाकात कर छठ पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने घाटों पर पहुंचकर छठी मैया एवं भगवान सूर्य की आराधना में जुटे श्रद्धालुओं से आत्मीय मुलाकात की और सभी के सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।



उन्होंने कहा कि छठ महापर्व आस्था, पवित्रता, प्रकृति के प्रति सम्मान और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह पर्व परिवार और समाज को प्रेम, सद्भाव एवं एकता के सूत्र में बांधता है। इस अवसर पर आम्रपाली कॉलोनी समिति के अशोक गोयल सहित विभिन्न घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

एक नजर

शिविर में 135 चालकों के लर्निंग लाइसेंस बनाए



भिलाई, 16 नवंबर (तछसं.)। ग्रामीण अंचलों में रहने वाले वाहन चालकों को परिवहन संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दुर्ग पुलिस और परिवहन विभाग ने संयुक्त पहल की है धमधा थाना परिसर में आयोजित तीन दिवसीय लर्निंग लाइसेंस शिविर के पहले दिन शनिवार को 135 वाहन चालकों के लर्निंग लाइसेंस बनाए गए 14 से 16 नवंबर तक चलने वाले इस शिविर को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के वाहन चालकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को जिला मुख्यालय स्थित परिवहन कार्यालय तक आने-जाने की परेशानी से राहत दिलाना है। धमधा और आसपास के ग्रामीण इलाकों के कई वाहन चालक दूरी और अन्य व्यावहारिक कारणों से लर्निंग लाइसेंस बनवाने के लिए दुर्ग परिवहन कार्यालय नहीं पहुंच पाते थे। अब स्थानीय स्तर पर ही शिविर लगने से उनके समय और खर्च दोनों की बचत हो रही है शिविर में ई-चालान भुगतान की भी सुविधा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) कौशलेंद्र देव पटेल ने बताया कि शिविर में लर्निंग लाइसेंस बनाने के साथ ही वाहन चालकों के लिए कई अन्य सुविधाएं भी दी जा रही हैं जिन वाहन मालिकों के ई-चालान पहले से लंबित हैं, वे शिविर में बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के इनका भुगतान कर सकते हैं इसके अलावा वाहन और यातायात से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का भी मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है ।

राज्यपाल रमेन डेका स्कंद षष्ठी महोत्सव की महापूर्णाहुति में हुए शामिल



भिलाई, 16 नवंबर। राज्यपाल रमेन डेका रविवार, 15 नवंबर को हुड़को स्कंद आश्रम परिसर में आयोजित 29वें स्कंदषष्ठी महोत्सव की महापूर्णाहुति में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विधिवत आयोजित हवन में पूर्णाहुति अर्पित कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। स्कंद आश्रम परिसर में आयोजित छह दिवसीय महोत्सव का समापन भक्तिमय वातावरण में हुआ। पूरा परिसर भक्ति, आस्था और आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर रहा। महोत्सव के समापन दिवस पर धार्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला के अंतर्गत ऋण विमोचन गणपति हवन, श्री शत्रु संहार सुब्रमण्या त्रिसदी हवन, वदुक राजा पूजा, कन्या पूजा, सुभाषिनी पूजा एवं दम्पत्ति पूजा संपन्न हुई। इसके पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ महापूर्णाहुति दी गई। इस अवसर पर संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर, पुलिस महानिरीक्षक अभिषेक शांडिल्य, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी, आयोजन समिति के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मदद के बहाने रकम निकाली,गिरफ्तार

भिलाई, 16 नवंबर (तछसं.)। भिलाई वैशाली नगर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति के बैंक खाते से उसकी सहमति के बिना करीब 2 लाख 30 हजार रुपए निकालकर गबन करने का मामला सामने आया है पीड़ित के साथ काम करने वाले व्यक्ति ने ही उसकी बैंकिंग में मदद करने के बहाने कई महीनों तक अलग-अलग किस्तों में रकम निकाली शिकायत और जांच के बाद वैशाली नगर थाने पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है वैशाली नगर टीआई राजकुमार लहरे ने बताया कि सुपेला राजीव नगर निवासी दिनेश यादव कैनरा बैंक में अपना बैंक खाता संचालित करता है वह पढ़ा-लिखा नहीं है और अपने निजी लेनदेन के लिए बैंक में रुपए जमा करने और निकालने के काम में अपने साथ काम करने वाले आरोपी होरी लाल यादव (30 साल) की मदद लेता था इसी वजह से होरी लाल को उसके बैंक खाते और लेनदेन की पूरी जानकारी थी विश्वासघात करते हुए होरी लाल ने 24 अगस्त 2025 से 7 मार्च 2026 के बीच अलग-अलग किस्तों में दिनेश के बैंक खाते से करीब 2.30 लाख रुपए निकाल लिए पीड़ित को इसकी जानकारी नहीं थी बाद में खाते से रकम गायब होने का पता चलने पर उसने वैशाली नगर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा जेल वैशाली नगर थाना पुलिस ने शिकायत पर आरोपी के खिलाफ धारा 305 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की पुलिस ने पीड़ित और नवाहों के बयान दर्ज किए इसाके बाद बैंक खाते से संबंधित लेनदेन की जानकारी जुटाई संदेह के आधार पर होरी लाल यादव को पूछताछ के लिए थाने बुलाया गया।

फर्जी आदेश से बाइक छुड़ाने का प्रयास,दो गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 16 नवंबर। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल अब साइबर ठगी ही नहीं, बल्कि फर्जी सरकारी दस्तावेज तैयार करने वाले भी करने लगे हैं ऐसा ही एक मामला भिलाई भट्ठी थाना में सामने आया है, जहां दो आरोपियों ने एआई की मदद से दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह के नाम से फर्जी शासकीय आदेश तैयार कर लिया। इसके बाद इस आदेश को असली बताकर दुर्ग आबकारी कार्यालय पहुंचे और आबकारी प्रकरण में जब्त अपनी बाइक छुड़ाने का प्रयास किया दस्तावेजों के सत्यापन में फर्जीवाड़े का खुलासा होने के बाद भट्ठी थाने पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया भट्ठी आई धीरेन्द्रनाथ दुबे ने बताया कि 14 नवंबर



को नंदिनी नगर थाना क्षेत्र के ग्राम मोहरेंगा निवासी जय कुमार आडिल उर्फ पप्पू (32 साल) और युगल किशोर शर्मा उर्फ राजा (4 साल) दोनों आबकारी नियंत्रण कक्ष सेक्टर-1 भिलाई पहुंचे थे दोनों ने वर्ष 2025 के आबकारी प्रकरण में जब्त बाइक सीजी 07 बी 15687 को सुपुर्दनामा पर वापस लेने के लिए कलेक्टर दुर्ग के नाम से जारी एक आदेश प्रस्तुत किया। आबकारी कार्यालय में पदस्थ अधिकारियों को आदेश की सत्यता पर संदेह हुआ। इसके बाद दस्तावेज का परीक्षण और संबंधित स्तर पर सत्यापन कराया गया। जांच में कलेक्टर के नाम से प्रस्तुत आदेश फर्जी और कूटरचित पाया गया शिकायत पर दोनों आरोपी गिरफ्तार भट्ठी टीआई धीरेन्द्रनाथ दुबे ने बताया कि मामले की शिकायत मिलने पर दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उन्होंने एआई के जरिए फर्जी शासकीय आदेश तैयार करने की बात स्वीकार की। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल और फर्जी आदेश की प्रति जब्त की गई है। आरोपियों के खिलाफ धारा 318 (1,2,3,4), 336, 338 के तहत प्रकरण दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया

बाल दिवस एवं बिरसा मुंडा जयंती पर पीएमश्री स्वामी आत्मानंद स्कूल पोंड़ी में विविध आयोजन



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

पोंड़ी, 16 नवंबर। बाल दिवस एवं भगवान बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय पोंड़ी में शनिवार को भव्य न्योता भोज एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन में सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे की अनूठी मिसाल देखने को मिली। उपस्थित पत्रकारों ने बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर भोजन किया और उनके साथ आत्मीयता के पल साझा किए।कार्यक्रम की विशेष उपलब्धि यह रही कि विद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारी लक्ष्मीनारायण चंद्राकर ने एक हजार से अधिक विद्यार्थियों के लिए भोजन की व्यवस्था की। विद्यालय में लगातार दूसरे वर्ष इतने बड़े स्तर पर न्योता भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं तथा नन्हे विद्यार्थियों ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में आकर्षक प्रदर्शन किया। प्राचार्य संजय कुमार गुप्ता ने अधिकारियों को डायरी एवं पेन भेंटकर सम्मानित किया, वहीं विद्यालय प्रबंधन एवं एसएमडीसी की ओर से पत्रकारों को स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। एसएमडीसी अध्यक्ष वेद साहू ने विद्यार्थियों को पेन भेंटकर उनका उत्साहवर्धन किया।आयोजन में स्काउट-गाइड, रेडक्रॉस एवं एनएसएस के विद्यार्थियों ने व्यवस्थाओं में सराहनीय योगदान दिया। इस अवसर पर पत्रकार सतीश तंबोली, सूर्या चंद्रवंशी, प्रदीप गुप्ता, महबूब खान, संतोष भारद्वाज, संजू गुप्ता, सतीश पात्रे, उत्तम चंद्रवंशी, अभिषेक वर्मा, अंकिता शर्मा, उमेश शर्मा, संजय तिवारी सहित जनप्रतिनिधि, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

धान खरीदी



उतई। वृहताकार सहकारी समिति उतई अंतर्गत उतई में समर्थन मूल्य में 218 क्विंटल धान खरीदी की गई जबकि उप धान खरीदी केंद्र खोपली में 157.20 क्विंटल धान खरीदी की गई है।इस मौके पर नायब तहसीलदार दीवान, प्राधिकृत अधिकारी फत्तेलाल वर्मा भाजपा नेत्री शीतला ठाकुर,समिति प्रबंधक गिरधर सोनी,भाजपा महामंत्री चंदू देवांगन नरेंद्र साहू सहित बड़ी संख्या में किसान और नागरिक उपस्थित थे।

जिले में धान खरीदी महा अभियान का शुभारंभ

दुर्ग, 16 नवम्बर। राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार प्रदेश सहित जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवम्बर से प्रारंभ हो गई है। आज सेवा सहकारी समिति मर्यादित अण्डा में राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री ललित चन्द्राकर के मुख्य आतिथ्य में धान खरीदी का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर संभाग आयुक्त श्री एस.एन. राठौर, कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह, खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया, डीएमओ श्री राहुल कुमार सहित संबंधित विभाग के अधिकारी एवं क्षेत्र के किसान उपस्थित थे।

ब्रह्माकुमारी संस्थान में बाल दिवस पर मेरे अंदर का जादू कार्यक्रम आयोजित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 16 नवंबर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा बाल दिवस के उपलक्ष्य में सेक्टर-7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में बच्चों के लिए विशेष स्नेह मिलन समारोह मेरे अंदर का जादू हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों को उनकी आयु के अनुसार चार वर्गों नन्हे अंकुर, उड़ते पंख, असली प्रतिभा और उज्ज्वल युवा में विभाजित किया गया।

सभी वर्गों के बच्चों के लिए उनकी उम्र एवं रुचि के अनुरूप मनोरंजक, रचनात्मक और ज्ञानवर्धक गतिविधियां आयोजित की गईं। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी



प्राची दीदी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि मन जिस चित्र की कल्पना करता है, वही आगे चलकर बाहरी दुनिया में आविष्कार के रूप में साकार हो सकता है। इससे मन की अपार शक्ति का परिचय मिलता है। हमारे संकल्पों में इतनी शक्ति होती है कि हम जैसा सोचते हैं, वैसा ही अपने जीवन को दिशा देने की क्षमता विकसित कर सकते हैं। इसलिए बच्चों को सदैव श्रेष्ठ, सकारात्मक एवं रचनात्मक संकल्प करने चाहिए।भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने अपने आशीर्वचनों में कहा कि बच्चे अर्थात बुराइयों से बचे हुए पवित्र आत्माएं हैं। किसी भी उम्र के हों, परमात्मा के सभी मीठे बच्चों का परमात्मा के घर में दिल से स्वागत है। उन्होंने कहा कि बच्चे अपने जीवन को जितना मूल्यवान संस्कारों एवं श्रेष्ठ गुणों से सजाएंगे, उतना ही सुंदर स्वर्णिम भारत और बेहतर विश्व का निर्माण होगा। बच्चे विश्व के आधारमूर्त हैं, इसलिए उन्हें अपने जीवन को श्रेष्ठ संस्कारों, गुणों एवं दिव्य शक्तियों से संपन्न बनाना चाहिए। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित ऑल इंडिया लीनिस क्लब की प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती रश्मि अग्रवाल एवं साहित्यकार शिरोमणि माथुर ने आयोजन की सराहना की।

विधायक देवेंद्र यादव ने घाटों पर श्रद्धालुओं से की मुलाकात



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 16 नवंबर। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव शहर के विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचे और पूजा-अर्चना में शामिल होकर श्रद्धालुओं के बीच समय बिताया। विधायक देवेंद्र यादव ने सेक्टर-2, छावनी, खुर्सीपार, रामनगर सहित शहर के अलग-अलग क्षेत्रों के तालाबों एवं छठ घाटों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अस्ताचलगामी सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित कर प्रदेश एवं शहरवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने छठ व्रत कर रही माताओं-बहनों से आत्मीय मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा सभी श्रद्धालुओं को छठ महापर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

सर्व समाज के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह ने घाटों पर पहुंचकर दी शुभकामनाएं



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 16 नवंबर। लोक आस्था एवं प्रकृति उपासना के महापर्व छठ के अवसर पर सर्व कल्याण समाज के अध्यक्ष एवं समाजसेवी इंद्रजीत सिंह छोटू ने शहर के विभिन्न छठ घाटों का दौरा कर व्रतधारी माताओं-बहनों से मुलाकात की और उन्हें पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान इंद्रजीत सिंह छोटू रामनगर मुक्तिधाम तालाब, कोहका एवं सुपेला घाट पहुंचे। उन्होंने श्रद्धा एवं विधि-विधान के साथ अस्ताचलगामी सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया तथा सभी के सुख, समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने घाटों पर उपस्थित व्रतधारी महिलाओं से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इस अवसर पर जिला भाजपा के संगठन प्रभारी रामजी भारती विशेष रूप से छठ महापर्व में शामिल हुए और श्रद्धालुओं को पर्व की शुभकामनाएं दीं। वहीं तालाब घाट पर भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन से भी मुलाकात कर उन्हें छठ पर्व की बधाई दी गई। इंद्रजीत सिंह छोटू ने कहा कि यह पर्व हमें सूर्य देव एवं प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ ही समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे की भावना को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर मलकीत लल्लू सिंह सहित सर्व कल्याण समाज के कार्यकर्ता एवं अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर भाजपा के सभी मंडलों में किया गया नमन



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 16 नवंबर। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई द्वारा जिला कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके साथ ही भिलाई जिला के सभी 13 मंडलों में भी विविध कार्यक्रम आयोजित कर भगवान बिरसा मुंडा जी को नमन किया गया। जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भिलाई जिला प्रभारी रामजी भारती तथा भाजपा जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके संघर्ष, त्याग, बलिदान और राष्ट्र के प्रति अतुलनीय योगदान का स्मरण किया। कार्यक्रम में महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी रामजी भारती ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की अनुपम मिसाल है। भाजपा जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस देश की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और गौरवशाली इतिहास को सम्मान देने का महत्वपूर्ण अवसर है।

पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू भी पहुंचे घाट पर



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई,16 नवंबर। छठ पर्व के शुभ अवसर पर नगर निगम रिसाली मरौदा नेवई में श्रद्धा और आस्था का महापर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। छठ पूजा के दिन संध्या अर्घ्य के अवसर पर प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू सभी कार्यकर्ताओं के साथ पूजा स्थल पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने सूर्य भगवान को अर्घ्य अर्पित कर परिवारए समाज और प्रदेश की सुख.समृद्धि की कामना की। पूजा स्थल पर पहुंचकर उन्होंने विधि.विधान से पूजा.अर्चना की और व्रती महिलाओं से मिलकर सभी को छठ पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।इस अवसर पर पूर्व गृहमंत्री श्री साहू ने कहा कि छठ महापर्व श्रद्धा आस्था संयम और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। उन्होंने छठी मइया से सभी पर अपनी असीम कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की।पूजा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाएं कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

एक नजर

किसी का काम मत बिगाड़ो और अगर बिगाड़ दिए हो तो उसे सुधारो भीःश्रेयांशप्रभ



राजनांदगांव 16 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। किसी का काम मत बिगड़ो और अगर बिगाड़ दिए हो तो उसे सुधारना भी आपको आना चाहिए, नहीं तो बाद में जो पछतावा होगा, उसे आप कुछ भी नहीं कर पाएंगे।÷ उक्त उदगार खरतर गच्छाधिपति मणिप्रभ सागर जी के सुशिष्य श्रेयांशप्रभ सागर जी ने व्यक्त किए। मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने बताया कि ज्ञान वल्लभ उपाश्रय भवन में चल रहे चातुर्मासिक प्रवचन की कड़ी में आज मुनि श्री श्रेयांशप्रभ सागर जी ने फरमाया कि यह कर्मों की ही लीला है कि स्थिति पलट जाती है। इस दुनिया में सबसे पवित्र रिश्ता भाई बहन का माना जाता है। हर किसी का किसी न किसी से ईश्यु होता ही है और हर किसी के काम में कोई ना कोई अड़ंगा लगता ही है। मुनिश्री ने कहा कि किसी काम में अड़ंगा मत डालो। यदि आप किसी का भला न कर पाओ तो कम से कम काम को मत बिगाड़ो । मुनि श्री श्रेयांशप्रभ जी ने कहा कि हम गुस्से में कुछ भी बोल देते हैं किंतु जब गुस्सा शांत होता है तो हम माफी मांगने से कतराते हैं। हमें खुले दिल से माफी मांगनी चाहिए। कोई चीज यदि हमने बिगाड़ी है तो हमें उसे सुधारना भी आना चाहिए। बिगड़े को सुधारना महानता है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसा कार्य करना चाहिए कि लोगों का भला हो और यदि हम किसी का भला नहीं कर पाए तो शांत बैठे ताकि हमसे बुरा भी ना हो।

महापौर के निर्देश पर लखोली वार्ड नं. 32 के जर्जर शौचालय का होगा जीर्णोद्धार

राजनांदगांव बलौदबाजार, 16 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। नगर निगम राजनांदगांव के लखोली वार्ड क्रमांक 32 में आंगनबाड़ी केंद्र के समीप एवं स्कूल के पीछे स्थित सार्वजनिक शौचालय पिछले कई वर्षों से जर्जर अवस्था में था। दरवाजे, छज्जे व सीटें टूटी-फूटी और दुर्गंध से वार्डवासी परेशान थे। निगम द्वारा भी इसे पूर्व में अनुपयोगी घोषित किया गया था। इस समस्या को लेकर वार्ड पार्षद निर्मलकर ने महापौर श्री मधुसूदन यादव जी को पत्र लिखकर ध्यान आकर्षित कराया। पार्षद के प्रयास पर महापौर जी ने तत्परता दिखाते हुए जीर्णोद्धार हेतु राशि स्वीकृत की है। अब इस जर्जर शौचालय को तोड़कर सर्वसुविधायुक्त नया शौचालय बनाया जाएगा, जिसमें पुरुष, महिला एवं दिव्यांगजनों हेतु पृथक स्नानागार सहित आधुनिक सुविधाएं होंगी। राशि स्वीकृत होने पर पार्षद ने महापौर जी का वार्डवासियों की ओर से हृदय से आभार व्यक्त किया। इस पहल पर वार्डवासियों में हर्ष व्याप्त है।

वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान अंतर्गत गणेशपुर में शिविर आयोजित

बलौदाबाजार,16 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत गणेशपुर में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को वित्तीय रूप से जागरूक बनाने एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक शिवकुमार कंवर ने ग्रामीणों को वित्तीय साक्षरता के प्रति जागरूक रहने तथा बैंकिंग एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। वहीं शाखा प्रबंधक ने ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाओं एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की उपयोगिता के संबंध में जानकारी प्रदान की। उन्होंने विशेष रूप से किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने के लिए प्रोत्साहित किया तथा किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से कृषि कार्यों हेतु समय पर ऋण सुविधा प्राप्त करने के लाभों से अवगत कराया। इस दौरान ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाओं, प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना सहित विभिन्न वित्तीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई।

ग्राम सोनतरा में 43.44 लाख रुपए की लागत से बनेगा सामुदायिक भवन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

खरोरा तिल्दा 16 नवंबर। गाँव में सामाजिक और सामुदायिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए अब एक स्थायी जगह उपलब्ध होगी। अदाणी पॉवर लिमिटेड, रायपुर की ओर से ग्राम पंचायत सोनतरा में 43.44 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण कराया जाएगा। अदाणी फाउंडेशन के सौजन्य से इस निर्माण कार्य का भूमि पूजन पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री वेदराम मनहरे उपस्थित रहे। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सोनतरा की सरपंच श्रीमती सुनंदा समीर वर्मा, सरपंच प्रतिनिधि श्री समीर वर्मा, अदाणी पॉवर की ओर श्री नटवर सिंह, श्री चन्द्रप्रकाश और श्री शफी



अहमद मिर्जा ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। वहीं, अदाणी फाउंडेशन से प्रोजेक्ट ऑफिसर श्री राजीव रंजन व अन्य सदस्यगणों सहित ग्राम पंचायत के पंच और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन भी उपस्थित थे।

अतिथियों ने कहा कि 43.44 लाख रुपए की लागत से बनने वाला यह सामुदायिक भवन गाँव के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा साबित होगा। इसके बनने से ग्रामीणों को सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों के साथ अन्य सामुदायिक गतिविधियों के आयोजन के लिए एक स्थायी और सुविधाजनक स्थान मिलेगा।

अदाणी फाउंडेशन की यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरी सुविधाओं के विकास और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिनमें शिक्षा,स्वाथ्य के साथ ही शीत ऋतु के आगमन पर ग्राम ताराशिव में 282 जरुरतमंद बड़े बुजुर्गों को कंबल वितरण की शुरुआत भी की गई। इसका उद्देश्य ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के साथ उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है।

दीपावली मिलन समारोह में एक मंच पर जुटा भाजपा परिवार

राजनांदगांव 16 नवंबर। भारतीय जनता पार्टी जिला राजनांदगांव द्वारा बिंदल लॉन, डोंगरगढ़ में दीपावली मिलन एवं समरसता भोज का भव्य आयोजन उत्साह, उमंग और आत्मीयता के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के शिक्षा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दीपावली के पावन अवसर पर आयोजित इस पारिवारिक मिलन समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए संगठन की एकजुटता और आपसी सौहार्द का परिचय दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला भाजपा अध्यक्ष श्री कोमल सिंह राजपूत ने कहा कि दीपावली मिलन केवल शुभकामनाओं के आदान-प्रदान का अवसर नहीं, बल्कि संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता के साथ आत्मीय संबंधों को मजबूत करने का माध्यम है।

अवैध रूप से धान विक्रय का प्रयास, 36 क्विंटल धान जब्त

धान उपार्जन केन्द्र पदुमतरा में जांच के दौरान मिली अनियमितता

कृषक के खेत में धान की फसल खड़ी होने के बावजूद दूसरे व्यक्ति का धान बेचने का मामला आया सामने

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 16 नवंबर। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया को पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाए रखने तथा अवैध धान विक्रय पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी एवं जांच की जा रही है। इसी क्रम में राजनांदगांव विकासखण्ड के धान उपार्जन केन्द्र पदुमतरा में दूसरे व्यक्ति का धान विक्रय करने का मामला सामने आने पर प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 36 क्विंटल धान जप्त किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम



बासुला निवासी कृषक श्री गंगादास महिलांगे द्वारा धान उपार्जन केन्द्र पदुमतरा में 36 क्विंटल धान विक्रय करने के लिए टोकन प्राप्त किया गया था। टोकन के आधार पर कृषक द्वारा 36 क्विंटल धान उपार्जन केन्द्र में लाया गया। इस दौरान धान की जांच एवं मौके पर भौतिक सत्यापन किए जाने पर पाया गया कि संबंधित कृषक के स्वयं के खेत में धान की फसल अभी भी खड़ी है तथा फसल की कटाई नहीं की गई है।

जांच के दौरान पूछताछ एवं सत्यापन में यह तथ्य सामने आया कि संबंधित कृषक द्वारा अपने खेत में उत्पादित धान के स्थान पर अन्य व्यक्ति का धान उपार्जन केन्द्र में विक्रय के लिए लाया गया था। उक्त अनियमितता पाए जाने पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की उपस्थिति में तत्काल कार्रवाई करते हुए उपार्जन केन्द्र में लाए गए 36 क्विंटल धान को जप्त किया गया। जप्त धान को सुरक्षित अभिरक्षा एवं आगामी आवश्यक कार्रवाई के लिए समिति प्रभारी, धान उपार्जन केन्द्र पदुमतरा के सुपुर्द किया गया। जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी केन्द्रों में सतत निगरानी रखी जा रही है। धान खरीदी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की।

कन्हारपुरी एवं तुमड़ीबोड़ धान उपार्जन केन्द्र पर महापौर ने किया धान खरीदी का शुभारंभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 16 नवंबर। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का शुभारंभ आज राजनंदगांव जिले के विभिन्न उपार्जन केंद्रों में किया गया। राजनांदगॉव महापौर मधुसूदन यादव ने शहर के कन्हारपुरी धान उपार्जन केन्द्र एवं डोंगरगॉव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत स्थित तुमड़ीबोड़ धान उपार्जन केन्द्र में पहुँच कर अन्नदाताओं के साथ धान खरीदी का शुभारंभ किया, एवं व्यवस्था का जायजा लिया। दोनों ही धान खरीदी केन्द्रों पर महापौर ने धान एवं इलेक्ट्रानिक तौलकॉटा का पूजन किया और धान खरीदी का श्रीगणेश किया। महापौर मधुसूदन ने मौके पर उपस्थित किसानों को मिष्ठान्न खिलाकर एवं तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया और उन्हें सम्मानित भी किया। महापौर के साथ वरिष्ठ पार्षद सावन वर्मा एवं मनोहर यादव उपस्थित रहे। कन्हारपुरी सहकारी समिति में उपस्थित समिति अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार साहू, विशेष अतिथि रामेश्वर चंद्राकर, पार्षद प्रतिनिधि युवराज दास ढीरहेर, कन्हैया साहू, मिथलेश साहू, लखन चंद्राकर, देवराम पटेल, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज साहू, विशेश्वर साहू एवं स्थानीय किसानों के विशेष आग्रह पर महापौर ने कन्हारपुरी केन्द्र में चबूतरा निर्माण एवं प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध कराने की घोषणा करते हुए कहा कि किसानों की सुविधा हेतु कल से ऑफलाईन टोकन की व्यवस्था भी प्रारंभ की जायेगी । तुमड़ीबोड़ धान उपार्जन केन्द्र में व्यवस्था का जायजा



लेने के दौरान महापौर के साथ समिति अध्यक्ष सुन्दर वर्मा, समिति प्रबंधक छबिल निषाद, बैंक प्रबंधक प्रकाश शुक्ला, स्थानीय नेतागण भाजपा मंडल अध्यक्ष राजू यादव, अमरतन साहू, निर्भय श्रीवास, निवेदन साहू, जितेन्द्र सिन्हा, श्रीमती निर्मला सिन्हा, शत्रुहन वर्मा, टेलन सिंह वर्मा, जिवराखन वर्मा सहित स्थानीय कृषकगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। महापौर ने दोनो धान खरीदी केंद्रों पर किसानों के लिये बारदाना, इलेक्ट्रॉनिक तौलकॉटा, सुरक्षित भंडारण एवं परिवहन जैसी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं का जायजा लिया एवं व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिये आवश्यक सुझाव एवं निर्देश दिया है।

दोनों स्थानों पर किसानों को संबोधित करते हुए महापौर ने मुख्य रूप से कहा कि इस वर्ष जिले में किसानों की सुविधा के लिए 16 नए धान उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिससे किसान अपने निकटतम केंद्र पर बिना असुविधा के धान का विक्रय कर सकेंगे। श्री यादव ने शासन की कृषि उन्नति योजना की सराहना करते हुए कहा कि धान 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से तथा प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल की सीमा तक खरीदा जाएगा। कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को प्रति एकड़ 13,839 रुपये की आदान सहायता राशि दी जाएगी। निर्धारित रकबे के अनुसार कम मात्रा में धान बेचने पर भी किसानों को सहायता राशि का लाभ मिलेगा, जिससे उन्हें धान विक्रय में अधिक स्वतंत्रता प्राप्त होगी तथा छोटे व मध्यम किसानों को विशेष राहत मिलेगी। इस योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसान को उसकी वास्तविक उपज की परिस्थिति से आर्थिक नुकसान न हो। महापौर ने कहा कि कृषक उन्नति योजना केवल धान खरीदी की योजना नहीं, बल्कि किसानों की आय सुरक्षा और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने की योजना है। महापौर ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम को किसान-हितैषी निर्णय हेतु धन्यवाद देते हुए कहा कि यह योजना अन्नदाताओं को आर्थिक सुरक्षा तथा सम्मानजनक आय सुनिश्चित करने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति स्थापना के साथ निकली शोभायात्रा, छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति की दिखी अनुपम झलक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 16 नवंबर। छत्तीसगढ़ की माटी, संस्कृति, परंपरा और अस्मिता के सम्मान में छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के तत्वावधान में तिल्दा-नेवरा नगर के वार्ड क्रमांक 17 स्थित महतारी अंगना चौक में छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति स्थापना के अवसर पर भव्य शोभायात्रा एवं छत्तीसगढ़ी पारंपरिक रैली का आयोजन किया गया। इस आयोजन में छत्तीसगढ़िया संस्कृति और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। पूरे आयोजन में छत्तीसगढ़ महतारी के प्रति सम्मान, अपनी माटी के प्रति प्रेम और छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

कार्यक्रम के अंतर्गत भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें छत्तीसगढ़ की पारंपरिक वेशभूषा, लोकवाद्य यंत्रों और लोककलाओं के माध्यम से प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया गया। शोभायात्रा में पारंपरिक लोकनृत्यों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। नगर का वातावरण छत्तीसगढ़ महतारी के जयकारों और छत्तीसगढ़िया संस्कृति के रंगों से सराबोर नजर आया।

मूर्ति स्थापना के पश्चात आयोजित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में पंथी नृत्य, सुआ नृत्य, कर्मा नृत्य, राउत नाचा, गेड़ी नृत्य, जस झांकी सहित छत्तीसगढ़ की विभिन्न पारंपरिक लोककलाओं की प्रस्तुतियां दी गईं। कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोकपरंपराओं, ग्रामीण जीवनशैली और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कलाकारों का उत्साहवर्धन



किया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ महतारी के सम्मान के साथ प्रदेश की भाषा, संस्कृति, परंपरा, लोककला और सामाजिक एकता को बढ़ावा देना तथा नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना रहा। आयोजकों ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं से नहीं, बल्कि यहां की भाषा, बोली, तीज-त्योहार, लोकनृत्य, परंपराओं और मेहनतकश लोगों की संस्कृति से है। अपनी संस्कृति को संरक्षित करना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना, जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी एवं छत्तीसगढ़िया समाज के सदस्यों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्थानीय नागरिकों तथा बड़ी संख्या में माताओं, बहनों और युवाओं की सहभागिता रही। सभी ने छत्तीसगढ़ महतारी के सम्मान और छत्तीसगढ़ी संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया।

आयोजन के समापन पर आयोजक समिति द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले समस्त सामाजिक संगठनों, कलाकारों, अतिथियों, कार्यकर्ताओं एवं नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

मतदाता सूची में गड़बड़ी लोकतंत्र के लिए गंभीर खतराः कुलबीर



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 16 नवंबर। लोकतंत्र की मजबूती और मताधिकार की रक्षा को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा देशभर में चलाए जा रहे 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान के तहत शहर में भी जनजागरण अभियान तेज कर दिया गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी द्वारा लगातार देश में लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा का मुद्दा उठाया जा रहा है। इसी कड़ी में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार एवं शहर जिला कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन में शहर के विभिन्न मंडलों में जनचौपाल आयोजित कर आम जनता को जागरूक किया जा रहा है।

इसी क्रम में शुक्रवार, 13 नवंबर को लखोली मंडल अध्यक्ष गोपी रजक के नेतृत्व में कन्हारपुरी में जनचौपाल का आयोजन किया गया। इसमें कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने आम नागरिकों के बीच पहुंचकर मतदाता सूची से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं तथा लोगों को अपने मताधिकार के प्रति सजग और जागरूक रहने की अपील की। जनचौपाल को संबोधित करते हुए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने कहा कि लोकतंत्र में वोट केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह देश के प्रत्येक नागरिक की सबसे बड़ी ताकत और संविधान द्वारा प्रदत्त महत्वपूर्ण अधिकार है। एक-एक वोट की अपनी अहमियत है और इसी के आधार पर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था संचालित होती है। ऐसे में मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी, पात्र मतदाताओं के नाम काटना अथवा संदिग्ध तरीके से नाम जोड़ना लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है। मतदाता सूची की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है। श्री छाबड़ा ने मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफा की मांग करते हुए कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार मोदी और शाह के इशारे पर काम कर रहे हैं। भाजपा ने फर्जी तरीके से वोट हासिल कर सरकार बनाई है। चुनाव आयोग भाजपा की बी टीम के रूप में कार्य कर रहा है, जिससे देश की जनता के विश्वास और लोकतांत्रिक व्यवस्था की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं, तब लोकतंत्र में आम नागरिक का विश्वास कमजोर होता है। राहुल गांधी जी लगातार इस महत्वपूर्ण मुद्दे को देश की जनता के सामने उठा रहे हैं और कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र तथा संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही है। श्री छाबड़ा ने कहा कि मतदाता सूची में किसी भी पात्र नागरिक का नाम छूटना या गलत तरीके से विलोपित होना उसके संवैधानिक अधिकारों का हनन है।

किसान किशोर कुमार सिरमौर ने एप से टोकन कटाकर बेचा 130 कट्टा धान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 16 नवंबर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किसानों की सुविधा एवं उन्हें उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था की गई है। इस व्यवस्था का लाभ उठाकर भरसेला ग्राम पंचायत के किसान श्री किशोर कुमार सिरमौर ने अपनी मेहनत से उत्पादित धान का सफलतापूर्वक विक्रय किया। किसान किशोर कुमार सिरमौर ने धान विक्रय के लिए शासन द्वारा उपलब्ध कराए गए 'किसान तुहर टोकन' ऐप के माध्यम से स्वयं ऑनलाइन टोकन प्राप्त किया। डिजिटल सुविधा का उपयोग करते हुए उन्होंने बिना किसी अनावश्यक परेशानी के धान विक्रय की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। ऑनलाइन टोकन प्राप्त करने के बाद उन्होंने धान उपार्जन केंद्र में अपनी उपज ले जाकर कुल 130 कट्टा धान का विक्रय किया। समर्थन मूल्य पर खरीदी व्यवस्था से उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त करने का अवसर मिला।



किसान किशोर कुमार सिरमौर का कहना है कि किसान तुहर टोकन ऐप के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन टोकन प्राप्त करने की सुविधा से धान विक्रय की प्रक्रिया आसान और सुविधाजनक हुई है। डिजिटल तकनीक ने किसानों का समय बचाने के साथ खरीदी व्यवस्था को भी अधिक सरल बनाया है।किसान किशोर कुमार सिरमौर की यह सफलता की कहानी दर्शाती है कि शासन की डिजिटल पहल और समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था किसानों को आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

कई संगठनों ने भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस पर खीर-पूरी बांटी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 16 नवंबर। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के पावन अवसर पर 15 नवंबर 2026, रविवार को शहीद वीर नारायण सिंह चौक, राजनांदगांव में खीर-पूरी वितरण एवं जनजागरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। दोपहर 12 बजे से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं, समाजसेवियों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम में महान स्वतंत्रता सेनानी एवं जनजातीय अस्मिता के प्रतीक भगवान बिरसा मुंडा जी के संघर्ष, साहस, सामाजिक चेतना तथा जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए किए गए ऐतिहासिक आंदोलन को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। इस अवसर पर चौक से गुजरने वाले राहगीरों एवं आम नागरिकों को खीर-पूरी का वितरण किया गया।



साथ ही भगवान बिरसा मुंडा जी के जीवन, संघर्ष और विचारों से संबंधित संदेश एवं साहित्य भी वितरित किया गया।

यह आयोजन अजजा शासकीय सेवक संघ, सर्व आदिवासी समाज, सर्व अनुसूचित जाति समाज एवं सर्व ओबीसी समाज, राजनांदगांव के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्री लेखराम मात्रा, श्री रोमसिंह मंडलोई, श्री प्रहलाद ठाकुर, श्री पुरंदन लाल उइके, श्री एम.डी. वाले, श्री कपूरचंद डोंगरे, श्री बी.एन. धनगुन, श्री रघुनंदन नेताम, श्री गोकुल नेताम, श्री रायसिंह कोटपरिया, श्री भूषण भुआर्य, देव सिंह अमेला सहित सैकड़ों सामाजिक कार्यकर्ता एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वक्ताओं एवं उपस्थितजनों ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष केवल अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध आंदोलन तक सीमित नहीं था, बल्कि वह आदिवासी अस्मिता, स्वाभिमान, संस्कृति, स्वतंत्रता और अधिकारों की रक्षा का ऐतिहासिक प्रतीक था। उनके विचार आज भी समाज को अन्याय, शोषण और असमानता के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देते हैं।

कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे, संवैधानिक चेतना और बहुजन एकता का संदेश दिया गया। आयोजकों ने कहा कि महापुरुषों की जयंती मनाने का वास्तविक उद्देश्य उनके विचारों, संघर्षों और आदर्शों को समाज की नई पीढ़ी तक पहुंचाना है।

आयोजन को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी सामाजिक संगठनों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों के प्रति आयोजक मंडल ने आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी सामाजिक एकता और जनजागरण के ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया।

साय सरकार ने साबित किया,हम हैं किसान हितैषी

छत्तीसगढ़ की राजनीति में किसान एक बड़ा वोट बैंक है।उसे जो प्रभावित कर पाता है, वह सत्ता पर रहता है और आगे भी उसके सत्ता में रहने की संभावना बनी रहती है, इसलिए कोई भी सरकार हो वह सत्ता में है तो जब भी उसे मौका मिलता है तो यह साबित करने से नहीं चूकती है कि वह किसान हितैषी है और उसने किसानों के हित में निरंतर फैसले किए है। जब भी जरूरत पड़ी किसानों के हित में फैसला लेने की तो सत्तारूढ़ सरकार ने फैसला लिया है।राज्य में किसान हित में बहुत सारे फैसले हो चुके हैं,जैसे प्रति क्विंटल किसानों से ज्यादा धान खरीदना,प्रति क्विंटल या प्रति एकड़ किसानों को सबसे ज्यादा पैसा देना, धान के बोनस व समर्थन मूल्य का पैसा एकमुश्त किसानों के खाते में आन लाइन भेजना।सोसायटी में टोकन कटाने किसानों को असुविधा न हो इसके लिए आनलाइन टोकन की सुविधा।हर साल किसानों का ज्यादा से ज्यादा धान खरीदना।इन सारे फैसलों से सरकार ने किसानों को ज्यादा से ज्यादा सुविधा देने का प्रयास किया है और उनको आर्थिक रूप से मजबूत करने का काम किया है।

इस साल अक्टूबर में अर्नब तूफान के चलते राज्य के कई इलाकों में धान की फसल को नुकसान पहुंचा है।राज्य के कई इलाकों के किसानों को राहत की जरूरत भी है। ऐसे में सरकार ने यह फैसला करके कि किसान को प्रति एकड़ १३८३९ रुपए बोनस दिया जाएगा चाहे धान उसके एक एकड़ में २१ क्विंटल हुआ हो या न हुआ है।साय सरकार का यह फैसला किसान हित में लिया गया ऐसा फैसला है जिससे राज्य के किसानों की नुकसान की भरपाई तो होगी ही,पांच एकड़ वाले किसानों को आर्थिक रूप में मजबूती भी मिलेगी। यानी साय सरकार का यह फैसला एक तरह से कहा जा सकता है कि किसानों के सशक्तीकरण का सराहनीय फैसला है।धान खरीदी राज्य में १५ नवंबर से होगी। उसके पहले यह फैसला लिए जाने से राज्य के२७.५० लाख किसानों को बड़ी राहत मिलेगी।पहले की नीति के मुताबिक किसानों को प्रति एकड़ २१ क्विंटल धान बेचने पर ही बोनस मिला करता था,इस बार किसानों को नुकसान हुआ इसलिए साय सरकार ने प्रति एकड़ २१ क्विंटल धान बेचने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। साय सरकार ने खरीफ वर्ष २६-२७ के लिए ३१०० रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदी का समर्थन मूल्य तय किया है।इसमें केंद्र सरकार का एमएसपी २४४१ रुपए प्रति क्विंटल है,अंतर की राशि ६५९ रुपए बोनस है,जो राज्य सरकार देगी। राज्य सरकार प्रति एकड़ २१ क्विंटल धान खरीदती रही है।तूफान के कारण राज्य के कई इलाकों के किसानों की फसल को नुकसान पहुंचा है,इसी के साथ बस्तर व सरगुजा संभाग के किसान प्रति एकड़ २१ क्विंटल धान पैदा नहीं कर पाते हैं।इससे उनको कम पैसा मिलता था। साय सरकार के फैसले से तूफान से नुकसान की भरपाई तो होगी ही, उन किसानों को भी खूब फायदा होगा जिसने खेत में प्रति एकड़ २१ क्विंटल धान नहीं होता है,क्योंकि उनको धान कितना भी हो बोनस तो प्रति एकड़ २१ क्विंटल के हिसाब से मिलेगा।यह फायदा उन्हीं किसानों के मिलेगा जिनका एग्रीस्टेक में पंजीयन है,डिजिटल क्राप सर्वे में धान बोने का रकबा दर्ज होने के साथ ही सत्यापित होना चाहिए। साय सरकार की धान खरीदी की नई नीति से राज्य के किसानों को तो फायदा होगा ही।सरकार को भी फायदा यह होगा कि दूसरे राज्यों से जो धान अवैध रूप से लाकर किसानों के नाम से बिचौलिए बेचा करते थे और फायदा किसानों को कम बिचौलियों को ज्यादा मिला करता था,उसमें कमी आएगी।किसानों को कम धान बेचने पर ही पूरा २१ क्विंटल धान का बोनस मिलेगा तो वह बिचौलियों का धान अपने नाम से क्यों बेचेगा।किसानों के नाम पर दूसरे राज्यों का धान बिकने के कारण राज्य सरकार को उसकी खरीदी,भंडारण और मिलिंग में ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ता था, इस बार यह धान कम आने पर राज्य सरकार को पैसा बचेगा। इसके अलावा ओडिशा सरकार ने भी विपणन वर्ष २६-२७ में एमएसपी व इनपुट सहायता मिलाकर किसानों के ३१०० रुपए प्रति क्विंटल देने का फैसला किया है, इससे भी अब ओडिशा का धान छत्तीसगढ़ पहले कम आएगा।झारखंड में भी सरकार ने बोनस १०९ रुपए किया है, इसका असर भी यह होगा वहां से भी जो धान छत्तीसगढ़ आता था वह अब कम आएगा।इससे साय सरकार को राजनीतिक रूप से भी फायदा होगा क्योकि विपक्ष धान खरीदी के पहले से माहौल बनाने का प्रयास कर रहा था कि सरकार किसानों को उतना पैसा नहीं दे रही है जितना किसानों को कायदे से मिलना चाहिए।वह आंकड़ों के जरिए यह बताने का प्रयास कर रहा था कि केंद्र सरकार जो एमएसपी हर साल बढ़ाती है, उसे सरकार को बोनस में कम करने नहीं देना चाहिए। विपक्ष का आरोप है कि जितना एमएसपी हर साल बढ़ता है,सरकार बोनस में उतना पैसा कम किसानों को देती है,जबकि सरकार को उसे जोड़कर देना चाहिए। जबकि अपने समय में कांग्रेस सरकार खुद भी ऐसा करती थी।विपक्ष तो मौका मिलते ही साय सरकार पर आरोप लगाएगा ही कि सरकार किसानों को कम पैसा दे रही है लेकिन किसानो को जब प्रति एकड़ कम धान होने पर बोनस २१ क्विंटल का ही मिलेगा को उनको इस बात का एहसास होगा कि साय सरकार के समय उसको पहले से ज्यादा पैसा धान का मिल रहा है, एकमुश्त मिल रहा है और आसानी से मिल रहा है।यानी कांग्रेस सरकार की तुलना में साय सरकार ज्यादा किसान हितैषी सरकार यह साबित होगा।

महान संगीतकार चित्रगुप्त की जयंती

जिनके काम को नहीं मिला उचित सम्मान

संजय सक्सेना,लखनऊ,

हिंदी फिल्म संगीत के सुनहरे दौर की कल्पना कीजिए। एक तरफ नौशाद, शंकर-जयकिशन, एसडी बर्मन, मदन मोहन और रोशन जैसे नामों का दबदबा है, दूसरी तरफ एक ऐसा संगीतकार है, जिसकी धुनें घर-घर में बज रही हैं, लेकिन जिसकी चर्चा संगीत के बड़े दरबारों में उतनी नहीं होती। उसकी बनाई धुनों पर प्रेमी अपने प्यार का इजहार कर रहे हैं, विरह में डूबे लोग आंसू बहा रहे हैं और त्योहारों पर लोग झूम रहे हैं। इसके बावजूद उसे बड़े संगीतकारों की कतार में खड़ा करने में आलोचकों ने कंजूसी बरती। यह कहानी है महान संगीतकार चित्रगुप्त श्रीवास्तव की, जिन्होंने साबित किया कि संगीत की असली ताकत किसी बड़े बैनर या सितारे की मोहताज नहीं होती। चित्रगुप्त जी का जन्म 16 नवंबर 1917 को बिहार के गोपालगंज जिले के कमरैनी गांव में हुआ था। बचपन से ही संगीत के प्रति उनका झुकाव था। उन्होंने पंडित शिव प्रसाद त्रिपाठी से शास्त्रीय संगीत की विधिवत शिक्षा ली। मन में संगीतकार बनने की जिद ने 1945 में उन्हें मुंबई पहुंचा दिया। उस समय हिंदी सिनेमा में जगह बनाना आसान नहीं था। जबकि चित्रगुप्त जी की फिल्मी दुनिया में न पहचान थी, न किसी बड़े निर्माता का सहारा। शुरुआती दिनों में उन्हें ऐसी फिल्में मिलीं, जिन्हें फिल्म उद्योग में बहुत प्रतिष्ठा नहीं दी जाती थी। 'अंबे तू है जगदंबे काली' जैसी कालजयी रचना को धुन देकर उन्होंने इसे नवरात्रों और अन्य मौकों पर होने वाली पूजा का महत्वपूर्ण भजन बना दिया। आज उनके बेटे आनंद-मिलिंद उनकी संगीत की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं।

1946 में 'लेडी रॉबिनहुड' से स्वतंत्र संगीत निर्देशन की शुरुआत करने वाले चित्रगुप्त को कई वर्षों तक संघर्ष करना पड़ा। 'फाइटिंग हीरो', 'तूफान क्वीन' और 'सिंदबाद द सेलर' जैसी फिल्मों में काम करते हुए उन्होंने अपनी धुनों को लगातार निखारा। 1952 में 'सिंदबाद द सेलर' का गीत 'अदा से झूमते हुए दिलों को चूमते हुए' लोकप्रिय हुआ। 1953 की 'नाग पंचमी' में 'मेरी चुनरिया उड़ाए लिए जाए' और 'आरती करो हरिहर की' ने उनकी पहचान को विस्तार दिया। धीरे-धीरे कम बजट की फिल्मों के निर्माता उनके पास आने लगे। लेकिन यहां एक विडंबना भी थी। जिस संगीतकार की धुनें फिल्मों को यादगार बना रही थीं, उसे उन्हीं फिल्मों की श्रेणी के आधार पर छोटा समझा जा रहा था। उस दौर में संगीतकारों की प्रतिष्ठा अक्सर उनके पारिश्रमिक और फिल्म के बजट से तय होती थी। एक प्रकाशित विवरण के मुताबिक चित्रगुप्त एक फिल्म के संगीत के लिए करीब दस हजार रुपये लेते थे, जबकि बड़े संगीतकारों की फीस इससे कहीं अधिक थी। यह अंतर उनकी प्रतिभा का नहीं, फिल्म उद्योग की व्यावसायिक हैसियत का था। चित्रगुप्त ने इस व्यवस्था के सामने अपनी धुनों की गुणवत्ता से जवाब दिया।

1955 की फिल्म 'शिवभक्त' उनके करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव बनी। दक्षिण भारत के प्रतिष्ठित एवीएम प्रोडक्शन के लिए संगीतकार सचिन देव बर्मन ने चित्रगुप्त का नाम सुझाया था। यह मामूली बात नहीं थी। उस दौर में स्थापित संगीतकार का किसी दूसरे संगीतकार की सिफारिश करना उसकी क्षमता की स्वीकृति थी। एवीएम के साथ उनका जुड़ाव आगे 'भाभी', 'मैं चुप रहूंगी' और दूसरी फिल्मों तक पहुंचा। मगर बड़े बैनर का यह साथ उनके पूरे करियर की स्थायी पहचान नहीं बन सका। सवाल उठता है कि क्या किसी संगीतकार का मूल्यांकन उसकी फिल्म के बजट से किया जाना चाहिए या उसकी रचनाओं की उम्र से? चित्रगुप्त की सबसे बड़ी विशेषता उनकी मेलोडी थी। वह धुन को इतना सहज बनाते थे कि पहली बार सुनने वाला भी उसे गुनगुनाने लगता था। लेकिन इस सहजता को साधना आसान नहीं था। इसके पीछे शास्त्रीय संगीत की समझ, लोकधुनों की पहचान और शब्दों की भावनात्मक जरूरत को समझने की क्षमता थी। 1957 की 'भाभी' इसका शानदार उदाहरण है। 'जा रे जादूगर देखी तेरी जादूगरी' में चंचलता है, 'टाई लगा के माना बन गए' में शरारत है और 'कारे-कारे बादरा' में राग मेघ मल्हार की छाया सुनाई देती है। वहीं 'चली चली रे पतंग' में उत्सव का उल्लास है। मोहम्मद रफी का 'चल उड़ जा रे पंछी' आज भी सुनने वाले को भीतर तक छूता है। एक ही फिल्म में इतने अलग भावों को संगीत में ढालना साधारण उपलब्धि नहीं थी। संगीतकार चित्रगुप्त की धुनों का संसार किसी एक रंग तक सीमित नहीं था। 'बरखा' का 'एक रात में दो-दो चांद खिले', 'जबक' का 'तेरी दुनिया से दूर', 'आकाशदीप' का 'दिल का दीया जला के गया', 'काली टोपी लाल रुमाल' का 'दगा दगा वई वई वई' और 'गेस्ट हाउस' का 'दिल को लाख संभाला जी' सुनिए। हर गीत में अलग मिजाज और अलग संगीत भाषा दिखाई देती है। लता मंगेशकर, मोहम्मद रफी, मुकेश, आशा भोसले, किशोर कुमार और मन्ना डे जैसे गायकों की आवाज का उन्होंने अलग-अलग ढंग से इस्तेमाल किया। लता के साथ उनकी जोड़ी ने अनेक यादगार गीत दिए। संगीतकार मिलिंद ने 2022 में बताया था कि उनके पिता ने लता के लिए करीब दो सौ गीतों की धुनें बनाईं। यह संख्या उनके आपसी रचनात्मक रिश्ते की व्यापकता बताती है। चित्रगुप्त का एक कम चर्चित पक्ष भक्ति संगीत भी है। 'अंबे तू है जगदंबे काली' आज भी नवरात्र में घरों और मंदिरों में सुनाई देता है। इस गीत की लोकप्रियता किसी प्रचार अभियान की देन नहीं, उसकी भावनात्मक शक्ति का परिणाम है। उन्होंने लता मंगेशकर से लाल बहादुर शास्त्री की पत्नी ललिता शास्त्री के लिखे दो गैर-फिल्मी गीत भी रिकॉर्ड कराए थे। 'बता दे कोई मोहे शाम' और 'भोला भोला रटते रटते' उनकी संगीत रुचि के विस्तार को दिखाते हैं। वह फिल्मी गीतों के संगीतकार भर नहीं थे, बल्कि भक्ति और आध्यात्मिक रचनाओं के भाव को भी समझते थे।

1964 का एक दिलचस्प प्रसंग उनके काम करने के तरीके को सामने लाता है। उनके घर के बगीचे में आनंद बख्शी गीत लिख रहे थे। मजरूह सुल्तानपुरी दूसरी जगह बैठे थे, राजेंद्र कृष्ण संगीत-कक्ष में जुटे थे और प्रेम धवन पिछवाड़े नारियल के पेड़ के नीचे लिख रहे थे। चित्रगुप्त बारी-बारी सबके पास जाकर उनके काम की प्रगति देखते थे। यह दृश्य किसी संगीतकार के स्टारडम से ज्यादा उसकी कार्यशैली और पेशेवर अनुशासन का परिचय देता है। चार बड़े गीतकारों के साथ एक ही समय में काम कर पाना उनकी संगठन क्षमता और रचनात्मक समझ का प्रमाण था। उनकी प्रतिभा का एक और महत्वपूर्ण अध्याय भोजपुरी सिनेमा है। 1962 में प्रदर्शित 'गंगा मैया तोहे पियरी चढ़ैबो' को पहली भोजपुरी फिल्म के रूप में पहचान मिली। चित्रगुप्त ने शैलेंद्र के गीतों को ऐसी धुनें दीं, जिनमें बिहार की मिट्टी, लोकजीवन और पारिवारिक संवेदनाएं एक साथ सुनाई देती हैं। 'लागी नाहीं छूटे राम', 'भौजी' और 'बलम परदेसिया' जैसी फिल्मों में उनका योगदान भोजपुरी संगीत की मजबूत नींव बना। हिंदी सिनेमा में जिन लोकधुनों को अक्सर हल्केपन के साथ देखा जाता था, चित्रगुप्त ने उन्हें अपनी रचनाओं में सम्मान और विस्तार दिया। यही उनकी सांस्कृतिक जड़ों की असली ताकत थी।

चित्रगुप्त जी का फिल्मी ही नहीं, निजी जीवन भी संघर्षों से भरा रहा। इसी बीच 1968 में दिल का दौरा पड़ा और 1974 में पक्षाघात ने उनकी सक्रियता को प्रभावित किया। परिवार के सामने आर्थिक परेशानियां आईं। बेटे मिलिंद के मुताबिक, कठिन समय में परिवार को कार तक बेचनी पड़ी और चित्रगुप्त बसों से सफर करके स्टूडियो पहुंचते थे। इसके बावजूद उन्होंने संगीत से रिश्ता नहीं तोड़ा। अस्सी के दशक में भोजपुरी फिल्मों ने उन्हें फिर काम दिया। 1988 की 'शिवगंगा' उनके जीवनकाल की अंतिम फिल्मों में गिनी जाती है। 14 जनवरी 1991 को मकर संक्रांति के दिन उनका निधन हो गया। उनकी विरासत को बेटों आनंद-मिलिंद ने आगे बढ़ाया। 'कयामत से कयामत तक' का 'पापा कहते हैं बड़ा नाम करेगा' मानो पिता के संघर्ष और सपने को अगली पीढ़ी की आवाज देता है। आज जब पुराने हिंदी फिल्मी गीत डिजिटल मंचों पर नई पीढ़ी तक पहुंच रहे हैं, चित्रगुप्त को फिर से सुनने और समझने की जरूरत है। उनके गीतों की लोकप्रियता किसी बीते दौर की भावुक याद भर नहीं है। यह उस संगीत की ताकत है, जो समय, पीढ़ी और बाजार की सीमाएं पार कर जाता है।

राशिफल

मेष राशिः आज का दिन सामान्य रहेगा। प्रॉपर्टी खरीदने का विचार मन में आ सकता है। सुख-सुविधाओं पर खर्च करने की इच्छा होगी, लेकिन आर्थिक स्थिति को देखते हुए खर्च और बचत में संतुलन बनाए रखें। माता-पिता का आशीर्वाद और सलाह अटके काम पूरे कराने में मददगार होगी। सेहत और खानपान के प्रति लापरवाही न करें।

वृषभ राशिः आज धैर्य और शांत व्यवहार से परेशानियों से बच सकते हैं। हर चर्चा में अपनी राय देना जरूरी नहीं है। लंबी यात्रा की योजना फिलहाल टालना बेहतर रहेगा। पारिवारिक मामलों में तालमेल बनाए रखें। छोटी बातों को तूल देने के बजाय समझदारी से समाधान निकालें।

मिथुन राशिः जल्दबाजी में लिया गया फैसला परेशानी बढ़ा सकता है। नया वाहन खरीदने की योजना बन सकती है और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत हैं। पुराने लेन-देन के मामले सामने आ सकते हैं। अनजान लोगों पर भरोसा करने और आर्थिक लेन-देन में जल्दबाजी से बचें।

कर्क राशिः आज भाग्य का साथ मिलेगा और कार्यक्षेत्र में अनुकूल परिस्थितियां बनेंगी। जीवनसाथी को नौकरी या करियर में तरक्की की खुशखबरी मिल सकती है। पुराने अनुभवों से सीख लेकर फैसले करना लाभकारी रहेगा। मनोरंजन के साथ जरूरी जिम्मेदारियों पर भी ध्यान दें।

सिंह राशिः आर्थिक मामलों में चिंता रह सकती है। गैरजरूरी खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार में मांगलिक आयोजन से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अवसर मिलने के संकेत हैं। गलत रास्ते से लाभ कमाने की कोशिश न करें।

कन्या राशिः आज कामकाज की व्यस्तता और भागदौड़ बनी रहेगी। सेहत में उतार-चढ़ाव के कारण थकान महसूस हो सकती है। घर में मेहमानों के आने से खुशी का माहौल रहेगा। पारिवारिक विवादों को बातचीत से सुलझाएं। संतान की ओर से अच्छी खबर मिल सकती है। धार्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी।

तुला राशिः आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा से महत्वपूर्ण काम पूरे कर पाएंगे। नए लोगों से संपर्क बढ़ेगा, लेकिन किसी पर भी तुरंत भरोसा न करें। उधार लेने से बचें। प्रॉपर्टी खरीदने से पहले दस्तावेजों की जांच करें। पिता की नाराजगी दूर करने के लिए उनसे शांतिपूर्वक बात करें।

वृश्चिक राशिः आज आर्थिक लाभ के प्रबल संकेत हैं। लंबे समय से अटके काम पूरे हो सकते हैं। कानूनी मामले में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा और मेहनत की सराहना होगी। यात्रा, पर्यटन और परिवहन से जुड़े कारोबारियों के लिए दिन लाभकारी रह सकता है।

धनु राशिः उन्नति के नए अवसर मिल सकते हैं। पुराने मित्र से मुलाकात और जीवनसाथी के साथ घूमने का कार्यक्रम बन सकता है। घर के जरूरी कामों को नजरअंदाज न करें। माता-पिता का सहयोग अटके काम पूरे कराने में मदद करेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई और करियर में नए अवसर मिल सकते हैं।

मकर राशिः कामकाज की व्यस्तता के बीच परिवार के लिए समय निकालेंगे। संतान पढ़ाई में लापरवाही कर सकती है, उसे प्यार से समझाएं। मित्र से अच्छी खबर मिलने की संभावना है। परिवार के साथ किसी मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा। घर में खुशियों का माहौल रहेगा।

कुंभ राशिः राजनीति और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा और प्रभाव बढ़ सकता है। जीवनसाथी नौकरी या करियर में बदलाव के लिए कदम उठा सकते हैं। पारिवारिक बातचीत में संयम रखें। निवेश से पहले अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा।

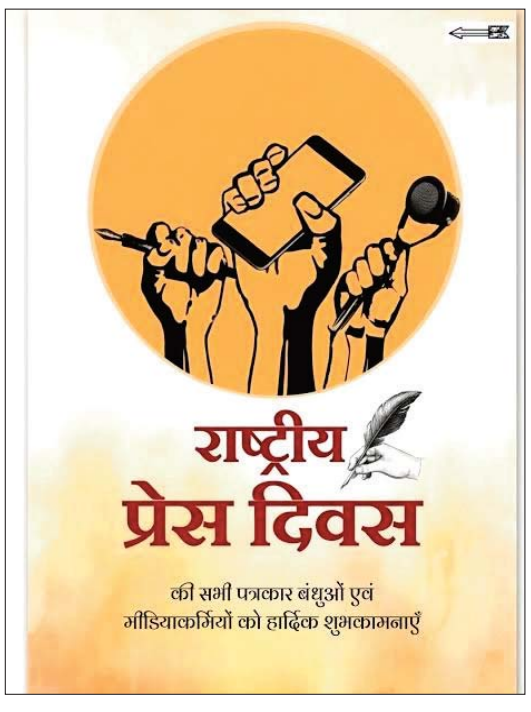
मीन राशिः आज कामकाज में छोटी-मोटी रुकावटें आ सकती हैं। धैर्य रखें और जरूरी कामों को प्राथमिकता दें। दिखावे के लिए खर्च करने से बचें। पुरानी स्वास्थ्य समस्या उभर सकती है। कार्यक्षेत्र की जिम्मेदारियां खुद संभालें। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में दस्तावेजों और कानूनी शर्तों की जांच के बाद ही फैसला लें।

(16 नवंबर पर विशेष आलेख)

राष्ट्रीय प्रेस दिवस और इसकी प्रासंगिकता

सुनील कुमार महला।

16 नवंबर को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। वास्तव में यह दिन केवल पत्रकारिता के महत्व को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह मीडिया की स्वतंत्रता, निष्पक्षता, विश्वसनीयता और सामाजिक जिम्मेदारी पर आत्ममंथन करने का भी अवसर है। बहरहाल , यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय प्रेस परिषद ने आज ही के दिन यानी कि 16 नवंबर, 1966 को कार्य करना प्रारंभ किया था और इसी ऐतिहासिक दिन की स्मृति में राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। जैसा कि हम सभी यह जानते हैं कि लोकतंत्र में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के साथ मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।शायद यही कारण है कि मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है, क्योंकि यह जनता और शासन के बीच संवाद का माध्यम बनता है। सत्ता के निर्णयों को जनता तक पहुँचाना, जनसमस्याओं को शासन के सामने रखना, व्यवस्थागत कमियों को उजागर करना और नागरिकों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना पत्रकारिता के प्रमुख दायित्व हैं।



उल्लेखनीय है कि समय के साथ ही साथ आज सूचना और तकनीक के क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव आया है। समाचार पत्रों और टेलीविजन के साथ डिजिटल मीडिया, समाचार पोर्टल और सोशल मीडिया ने सूचना के प्रसार को अत्यंत तीव्र बना दिया है। अब कोई भी घटना कुछ ही क्षणों में दुनिया के कोने-कोने तक पहुँच जाती है। यह बदलाव जहाँ सूचना की पहुँच को व्यापक बना रहा है, वहीं कई नई चुनौतियाँ भी खड़ी कर रहा है। अधूरी जानकारी, भ्रामक खबरें, फर्जी समाचार, भ्रामक शीर्षक और बिना पुष्टि के प्रसारित सामग्री समाज में भ्रम, अविश्वास और तनाव पैदा कर सकती है। ऐसे समय में पत्रकारिता की विश्वसनीयता और उसकी जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

पत्रकारिता का उद्देश्य केवल खबरों को सबसे पहले प्रसारित करना नहीं, बल्कि सही तथ्यों के साथ उन्हें समाज के सामने रखना भी है। कुत्ता आदमी को काट ले,यह खबर नहीं है। आदमी कुत्ते को काट ले, खबर वह है, क्यों कि जो अप्रत्याशित है,वहीं ख़बर है। वास्तव में,खबर की पुष्टि, स्रोतों की विश्वसनीयता, दोनों पक्षों को सुनना और भाषा की मर्यादा बनाए रखना निष्पक्ष पत्रकारिता की बुनियादी शर्तें हैं। किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा, सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय एकता को प्रभावित करने वाली खबरों में विशेष सावधानी अपेक्षित है। सनसनीखेज प्रस्तुति और टीआरपी की होड़ में समाचार की मूल आत्मा प्रभावित नहीं होनी चाहिए, जैसा कि आज हो रहा है। इतना ही नहीं, आज पत्रकारिता के सामने एक बड़ी चुनौती आर्थिक दबाव, व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा और विभिन्न प्रकार के प्रभावों के बीच अपनी संपादकीय स्वतंत्रता बनाए रखने की भी है। पत्रकारिता तभी सार्थक हो सकती है, जब वह किसी पक्ष विशेष के हितों के बजाय जनहित को प्राथमिकता दे। सरकार की उपलब्धियों को सामने लाना जितना आवश्यक है, उतना ही आवश्यक उसकी कमियों और जनसमस्याओं पर सवाल उठाना भी है। इसी प्रकार सकारात्मक कार्यों, सामाजिक बदलावों और समाज के अंतिम व्यक्ति के संघर्ष को स्थान देना भी मीडिया का महत्वपूर्ण दायित्व है। यही नहीं, आज ग्रामीण क्षेत्रों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों की समस्याओं को पर्याप्त स्थान मिलना चाहिए। पत्रकारिता का दायरा केवल राजनीतिक बयानबाजी और मनोरंजन तक सीमित नहीं होना चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, रोजगार, सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाओं से जुड़े विषयों को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। एक जिम्मेदार पत्रकार वह है, जो समाज की आवाज को स्थान देता है और उन मुद्दों को सामने लाता है, जिन्हें अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है।

हालाँकि पत्रकारिता की जिम्मेदारी केवल पत्रकारों तक सीमित नहीं है। पाठकों और दर्शकों का भी दायित्व है कि वे किसी सूचना को बिना जाँचे-परखे आगे न बढ़ाएँ। मीडिया साक्षरता और तथ्यों की पड़ताल की आदत विकसित करना आज प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक हो गया है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पत्रकारिता की वास्तविक शक्ति उसकी स्वतंत्रता के साथ-साथ उसकी विश्वसनीयता में निहित है। स्वतंत्रता का अर्थ निरंकुशता नहीं और निष्पक्षता का अर्थ संवेदनहीनता नहीं है। पत्रकारिता को सच के प्रति प्रतिबद्ध, जनहित के प्रति समर्पित और मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। अंततः, पत्रकारिता केवल घटनाओं का विवरण प्रस्तुत करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने और लोकतांत्रिक चेतना को जीवित रखने का दायित्व भी है। कलम की सार्थकता उसकी धार में नहीं, बल्कि उस सच में है जिसे वह निर्भीकता से समाज के सामने रखती है। जब समाचार में सत्य, विचार में विवेक और अभिव्यक्ति में जिम्मेदारी होगी, तभी प्रेस की स्वतंत्रता लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति बन सकेगी।

भोपू और झंडी (व्यंग्य)

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'



तटीय आपदा प्रबंधन एवं सुनामी प्रारंभिक चेतावनी केंद्र के विशाल वातानुकूलित मुख्यालय के बाहर कंक्रीट के चबूतरे पर बहत्तर साल के करियप्पा हर गुरुवार सुबह ठीक दस बजे अपनी लाठी टेकते हुए आकर बैठ जाते थे। उनके कांपते हाथों में पीतल का एक पुराना जंग लगा हाथ से घुमाने वाला चेतावनी सायरन और बांस की खपच्ची पर बंधी एक फटी हुई लाल झंडी हमेशा मौजूद रहती थी जिसे वे अपनी मैली धोती के पल्ले से बार-बार पोंछते रहते थे। जब दफ़्तर के नए अर्दली ने उन्हें चबूतरे पर बैठा देखा तो हाथ में पकड़ी गर्म चाय का कुल्हड़ मेज़ पर पटकते हुए ठहाका लगाकर बोला कि "बाबा जब आज पूरे प्रदेश में उपग्रह आधारित सुनामी पूर्व चेतावनी और समुद्री आपदा प्रबंधन का डंका बज रहा है और राजधानी से बड़े-बड़े वैज्ञानिक और राहत आयुक्त आधुनिक सेंसरों की प्रदर्शनी लगाने आए हैं तो इस जंग लगे कबाड़ भोपू और फटी लाल चिंदी को रोज़ अपनी छाती से चिपकाकर यहाँ क्या भीख मांगने का नया तमाशा खड़ा करते हो।" करियप्पा अपनी पुरानी धुंधली ऐनक को ठीक करते और बहुत धीमी लड़खड़ाती आवाज़ में मुस्कुराकर कहते कि "बेटा यह जंग लगा भोपू केवल पीतल का टुकड़ा नहीं है बल्कि इस पूरे आपदा महकमे की वो बहरी व्यवस्था है जिसने समंदर की उठती प्रलयंकारी लहरों के सच को कागज़ों की फाइलों में हमेशा के लिए दफ़न कर दिया है।" आसपास खड़े तमाम बाबू और दलाल उनका उपहास उड़ाते हुए कहते कि "लगता है इस बुढ़ापे में इस बूढ़े मछुआरे का दिमाग पूरी तरह सठिया गया है जो सुनामी जागरूकता दिवस के पावन उत्सव को अपनी हठ की भेंट चढ़ाने चला आया है।" करियप्पा किसी की बात का तनिक भी मलाल किए बिना उस भोपू के मुड़े हुए हैंडल को अपनी कांपती उंगलियों से सहलाते और चुपचाप वीआईपी गाड़ियों के आने का इंतज़ार करते रहते थे। आपदा चेतावनी केंद्र के सभी बाबू और मौसम वैज्ञानिक करियप्पा की इस साप्ताहिक मूक उपस्थिति से भलीभांति परिचित हो चुके थे और उन्हें एक सिरफिरा बुजुर्ग मानकर पूरी तरह अनदेखा कर देते थे। दफ़्तर का बड़ा बाबू जब भी तटीय रडार नेटवर्क और स्वचालित चेतावनी टावरों की नई फाइलों का पुलिंदा लेकर मुख्य राहत आयुक्त के वातानुकूलित केबिन की तरफ बढ़ता तो करियप्पा बहुत उम्मीद से अपनी लाठी के सहारे खड़े हो जाते और हाथ जोड़कर कहते कि "बाबू जी क्या आज उस सुदूर मछुआरा द्वीप की चेतावनी प्रणाली की जांच और मुआवजे वाले आवेदन पर साहब के दस्तखत हो गए।" बाबू गुस्से में फाइलें पटकते हुए डांटकर कहता कि "अरे बाबा जब तक नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के डिजिटल पोर्टल पर तुम्हारे तटीय इलाके का सेटेलाइट सत्यापन पूरा नहीं होगा और ऊपर से ग्रीन सिग्नल नहीं आएगा तब तक फूटी कौड़ी नहीं छूटेगी और तुम इस पीतल के भोंपू को लेकर ताउम्र यहीं चक्कर काटते रहोगे।" करियप्पा बिना किसी प्रतिवाद के वापस अपनी जगह पर जाकर बैठ जाते और उस जंग लगे सायरन के हैंडल को आहिस्ता से घुमाने का निरर्थक प्रयास करने लगते थे जिससे केवल हवा की एक सूखी और बेबस घरघराहट निकलकर सन्नाटे में खो जाती थी। कस्बे के लोग आपस में तरह-तरह की बातें करते थे कि शायद करियप्पा अपने किसी पुराने मुआवज़े के लिए यह सब कर रहे हैं लेकिन किसी को भी उस फटी लाल झंडी और विश्व सुनामी दिवस के इस भव्य आयोजन के बीच छुपे भयानक रहस्य की ज़रा सी भी भनक नहीं थी। दोपहर में अचानक राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रधान सचिव महोदय विश्व सुनामी जागरूकता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय तकनीकी सम्मेलन की अध्यक्षता करने और नई त्वरित अलर्ट प्रणाली का लोकार्पण करने मुख्यालय पहुँचे। साहब की गाड़ी का सायरन बजते ही पूरे परिसर में खलबली मच गई और आनन-फानन में स्वागत के लिए नए डिजिटल फ्लेक्स बोर्ड और लाल कालीन बिछाया जाने लगा ताकि कोई कमी न दिखाई दे। मंच पर दीप प्रज्वलन और आपदा के समय एक-एक नागरिक की जान बचाने के आधुनिक वैज्ञानिक संकल्प पर लंबा भाषण देने के बाद जब प्रधान सचिव महोदय पत्रकारों की भीड़ के साथ बाहर निकले तो उनकी नज़र चबूतरे पर शांत बैठे करियप्पा पर पड़ी जिनकी गोद में वही लाल झंडी रखी थी। अपनी संवेदनशील और जनप्रिय छवि का प्रदर्शन करने के लिए साहब तुरंत मीडिया कर्मियों को साथ लेकर करियप्पा के पास पहुँचे और बड़े आदर से बोले कि "बुज़ुर्गवार आज विश्व सुनामी दिवस पर हम तटीय प्रहरियों के अदम्य साहस को नमन करते हैं बताइए आपकी क्या पीड़ा है क्या आपको विभाग की आपदा मित्र मानदेय योजना का लाभ नहीं मिल रहा है जिसे मैं तुरंत स्वीकृत करवाऊँ।" करियप्पा ने अपनी पथराई आँखों से प्रधान सचिव को देखा और अपने कांपते हाथों से वह पीतल का सायरन और लाल झंडी आगे बढ़ाते हुए बोले कि "साहब जी अगर वाकई न्याय करना चाहते हैं तो ज़रा इस सायरन के नीचे खुदी इस सरकारी स्थापना मुहर का सच पहचान लीजिए।"प्रधान सचिव ने जब उस सायरन को हाथ में लेकर गौर से देखा तो उस पर खुद उनके अपने विभाग द्वारा बीस साल पहले द्वीप पर स्थापित आपातकालीन सायरन का सीरियल नंबर और करियप्पा का नाम बतौर मानद पहरेदार दर्ज था। करियप्पा की आँखों से आंसुओं के दो मोटे कतरे ढलककर उस फटी लाल झंडी पर गिर पड़े और वे रुंधे गले से बोले कि "साहब बीस साल पहले जब विनाशकारी सुनामी आई थी तो मैंने इसी हाथ के भोपू को बजाकर और यह लाल झंडी लहराकर अपनी पूरी बस्ती के सैकड़ों लोगों को सुरक्षित ऊंचाई पर पहुँचाकर उनकी जानें

एक नजर

अवैध रूप से भंडारित 30 बोरी धान जब्त

कोंड़ागांव, 16 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला प्रशासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था में अनियमितताओं पर अंकुश लगाने लगातार निगरानी और जांच की जा रही है। इसी कड़ी में आज रविवार को कोंड़ागांव कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के मार्गदर्शन में एसडीएम फरसगांव दिलीप कुमार उइके के नेतृत्व में राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने फरसगांव में कार्रवाई करते हुए एक गोदाम से अवैध रूप से भंडारित 30 बोरी धान जब्त किया गया है। कोंड़ागांव के राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने फरसगांव निवासी बलिराम कोर्राम के गोदाम की जांच की। इस दौरान 30 बोरी धान का अवैध भंडारण पाए जाने पर उसे जब्त किया गया। जब्त धान का कुल वजन 12 क्विंटल तथा अनुमानित बाजार मूल्य 24 हजार रुपये बताया गया है। टीम ने नियमानुसार जब्ती पंचनामा तैयार कर धान की सुपुर्दगी की कार्रवाई की। एसडीएम फरसगांव दिलीप कुमार उइके ने कहा कि अवैध भंडारण और परिवहन पर रोक लगाने के लिए जिले में लगातार जांच एवं निगरानी जारी रहेगी। साथ ही व्यापारियों और किसानों से धान खरीदी संबंधी नियमों का पालन करने की अपील की गई है।

ट्रक-बसों के चालक संघ तीन मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे, मिला आश्वासन

जगदलपुर, 16 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बस्तर संभाग के वाहन चालकों का तीन सूत्री मांगों 1. सुरक्षा कानून : सड़क पर मारपीट, लूट व दुर्व्यवहार रोकने के लिए सख्त कानून लागू हो, 2. बीमाः दुर्घटना में मृत्यु पर ?10 लाख व दिव्यांगता पर 05 लाख मुआवजा, 3. हिट-एंड-रन कानून में राहतः सख्त सजा न हो, को लेकर स्टीयरिंग छोड़ो आंदोलन लगातार जारी है। चालकों के वाहन नहीं चलाने से माल परिवहन व्यवस्था प्रभावित होने लगी है। इस बीच शासन स्तर से सोमवार तक मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने का आश्वासन मिला है, लेकिन बस्तरिया ट्रक ड्राइवर संघ ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि सोमवार तक ठोस आदेश जारी नहीं हुए, तो आंदोलन को आक्रामक रूप देते हुए पूरे संभाग में उग्र चक्काजाम किया जाएगा। बस्तरिया ट्रक ड्राइवर संघ के संगठन प्रभारी महेश दास ने कहा कि बस्तर संभाग पूरी तरह सड़क परिवहन पर निर्भर है। संभाग के सातों जिलों (बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, कोंडागांव, नारायणपुर और कांकेर) में राशन, सब्जियां, दवाइयां, पेट्रोल-डीजल और निर्माण सामग्री की आपूर्ति ट्रकों के जरिए ही होती है। चालक दिन-रात, धूप-बारिश और दुर्गम रास्तों की परवाह किए बिना जरूरी सामान एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाते हैं। हम काम करते हैं और देश की अर्थव्यवस्था को चलाने वाले प्रमुख स्तंभ हैं। इसके बावजूद न तो हमारी सुनवाई हो रही है और न ही सड़क पर हमारा सम्मान सुरक्षित है। छोटी-छोटी बातों पर सड़क पर हमारे साथ मार-पीट की जाती है। सरकार ने सोमवार तक मांगें मानने का आश्वासन दिया है, यदि मांगे नही मानी जायेगी तो बस्तर में चक्काजाम जैसे उग्र आंदोलन किए जाएंगे।

जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू

कांकेर, 16 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में आज से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य प्रारंभ हो गया है। खरीदी के पहले दिन जिले के सभी धान खरीदी केन्द्रों में ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, ग्राम पटेल एवं गायता की उपस्थिति में परंपरानुसार पूजा-अर्चना कर इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा-बांट, बायोमेट्रिक डिवाइस एवं नमी मापक यंत्रों की पूजा की गई। इसके पश्चात किसानों की उपस्थिति में धान खरीदी की शुरुआत हुई। धान खरीदी के पहले दिन जिले के 94 धान खरीदी केन्द्रों में 224 किसानों ने 9 हजार 160 क्विंटल धान विक्रय के लिए टोकन कटवाया है। किसान उत्साहपूर्वक अपने परिवारजनों के साथ खरीदी केन्द्रों में पहुंचकर समर्थन मूल्य पर धान का विक्रय कर रहे हैं। कांकेर विकासखण्ड के अलनियापारा कोदाभाट धान खरीदी केन्द्र में अलबेलापारा, कांकेर निवासी किसान श्री आनंद राम साहू अपने परिवार के साथ धान बेचने पहुंचे। उन्होंने बताया कि तुंहर टोकन ऐप के माध्यम से उन्होंने धान विक्रय के लिए टोकन कटवाया है। उनके पास लगभग 7 एकड़ कृषि भूमि है और वे आज 60 क्विंटल धान विक्रय करने खरीदी केन्द्र पहुंचे हैं।

सर्व समाज ने मनाई भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, गूंजे 'जय बिरसा-जय भीम' के नारे

- जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष और बलिदान को किया याद

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 16 नवंबर। जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं महान समाज सुधारक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को बीजापुर में सर्व समाज द्वारा श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर नया बस स्टैंड स्थित डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समीप भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समाज प्रमुखों ने उन्हें नमन करते हुए उनके संघर्ष, विचारों और सामाजिक योगदान को याद किया। इस दौरान 'जय बिरसा-जय भीम' के नारों से माहौल गूंज उठा।

वक्ताओं ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर को झारखंड के उलीहातु गांव में एक साधारण आदिवासी परिवार में हुआ था। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत और शोषणकारी जमींदारी व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष करते हुए आदिवासी समाज को जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए संगठित किया। उनके साहस, संघर्ष और जनकल्याणकारी विचारों के कारण उन्हें 'धरती आबा' अर्थात धरती का पिता कहा जाता है।

उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा ने समाज को अंधविश्वास से दूर रहने, नशापान का त्याग करने और एकजुट होकर अन्याय एवं शोषण के खिलाफआवाज उठाने का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को जागरूक, संगठित और अधिकारों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में गोंड समाज से धनेश कुजाम एवं लक्ष्मण कुंजाम, मुरिया समाज से सतीश मंडावी, परधान समाज से राकेश गिरी एवं श्रवण सेण्ड्रा, हल्बा समाज से बीएल पुजारी, तेलंगा समाज से मंगल रोटेल, कंवर समाज से कमलेश पैकरा, कुडुक उरांव समाज से जूलियस तिर्की, मुस्लिम समाज से इकबाल खान, मसीह समाज से डेविड कुमार, कुम्हार समाज से योगेश नगपुरी, महार समाज से डी. नागेश्वर सहित केडी झाड़ी, बसंत मामड़ीकर, कैलाश रामटेके, राजकुमार रामटेके, विजय चापड़ी, कैलाश गोनेट, भावेश जुमड़े एवं शशांक कुमार सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



जिले में धान खरीदी महाभियान की हुई शुरुआत

कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने उपार्जन केंद्रों में तौल-बाट का पूजा कर किया शुभारंभ

- अन्नदाताओं का गुलाल से अभिनंदन, श्रीफल और पौधे देकर किया गया सम्मानित
- किसानों ने प्रति एकड़ 13839 रुपये की आदान सहायता राशि के लिए शासन का जताया आभार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



बलौदाबाजार , 16 नवंबर। राज्य शासन के निर्देशानुसार समर्थन मूल्य पर धान खरीदी महाभियान की शुरुआत जिले मे रविवार 15 नवंबर से हो गया। जिले के सभी 181 उपार्जन केंद्रों मे जनप्रतिनिधि एवं नोडल अधिकारियों की उपस्थिति मे विधि विधान से पूजा -अर्चना कर धान खरीदी का शुभारम्भ किया गया। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत धान खरीदी केंद्र भरसेला, करमदा और अर्जुनी मे स्वयं पूजा -अर्चना कर धान खरीदी का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर परंपरानुसार तौल मशीन व बाट की पूजा-अर्चना एवं माल्यार्पण कर धान खरीदी कार्य का शुभारंभ धान बेचने पहुंचे किसानों का पुष्पमाला पहनाकर, गुलाल-तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया तथा उनका मुंह मीठा कराया गया। इसके साथ ही श्रीफल और पौधे देकर किसानों को सम्मानित भी किया गया। कलेक्टर श्री शर्मा ने किसानों द्वारा लाये गए धान की नमी मॉइश्चर मशीन से जाँची तथा इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन से धान का वजन कराया। उन्होंने समिति प्रबंधकों से कहा कि शासन के निर्देशानुसार धान मे नमी 17 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। किसानों को इसकी जानकारी दें ताकि उपार्जन केंद्र लाने से पहले ही धान को ठीक से सूखा लें। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधाओं का ध्यान रखें,उन्हें धान बेचने मे कोई परेशानी न हो। कलेक्टर ने धान बेचने पहुंचे किसानों से टोकन कटाने, उपार्जन केन्द्र मे व्यवस्था तथा धान बेचने मे किसी प्रकार की कठिनाई आदि की जानकारी ली। उन्होंने किसानों को बताया कि इस बार शासन ने भरसेला उपार्जन केंद्र मे धान बेचने पहुंचे किसान किशोर कुमार ने बताया कि वह 42 क्विंटल धान बेचने लाए हैं। टोकन घर मे ही मोबाइल से कटाया।मोबाइल से बहुत आसानी से टोकन मिल गया। उपार्जन केंद्र मे किसानों के लिये पेयजल व शौचालय की व्यवस्था हैं। धान बेचने मे कोई परेशानी नहीं हुई। किसान मनीष कुमार ने बताया कि वह 36 क्विंटल धान बेचने लाये हैं और उन्हें भी कोई दिक्कत नहीं हुई। उन्होंने शासन द्वारा 21 क्विंटल प्रति एकड बोनस अंतर्गत कम धान बेचने पार भी पूरा अंतर राशि देने के निर्णय का स्वागत किया।

कलेक्टर श्री शर्मा ने उपार्जन केन्द्र करमदा मे धान खरीदी की बेहतर व्यवस्था की सराहना की और खरीदी प्रभारी को पारदर्शी ढंग से खरीदी संपन्न कराने के निर्देश दिये।उन्होंने किसानों को बताया कि जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है जो 24 घण्टे सक्रिय रहता है। किसी प्रकार की समस्या या शिकायत हो तो किसान कंट्रोल रूम नंबर 9201899925 पर संपर्क करें।उन्होंने बताया कि राज्य सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत धान उत्पादक किसानों को प्रति एकड़ 13,839 रुपये की आदान सहायता राशि प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। अब प्रति एकड़ 21 क्विंटल से कम धान बेचने पर भी 13,839 रुपये बोनस मिलेगा। बताया गया कि जिले में पहले दिन 126 केंद्रों में 411 टोकन 1358 मैट्रिक टन का जारी हुआ है इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव,उपाध्यक्ष सुमन वर्मा, जनपद सदस्य राजेश ध्रुव सहित अन्य जनप्रतिनिधि,खाद्य अधिकारी पुनीत वर्मा, उपायुक्त सहकारिता उमेश गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

90 करोड़ के निर्माण से बदलेगी बीजापुर की तस्वीर



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 15 नवम्बर। कभी नक्सल हिंसा और असुरक्षा के कारण अपने मूल स्थानों से विस्थापित हुए आश्रम शालाओं और छात्रावासों को अब फिर से अंदरूनी क्षेत्रों में स्थापित करने की पहल की जा रही है। जिले में आदिवासी बच्चों को बेहतर शिक्षा और आवासीय सुविधा देने के उद्देश्य से 55 आश्रम शाला एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रावास भवनों के निर्माण के लिए 90 करोड़ 38 लाख 5 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है। यह पहल निश्चित रूप से दूरस्थ अंचलों के विद्यार्थियों के लिए उम्मीद की नई किरण है, लेकिन इतनी बड़ी राशि से बनने वाले भवनों की निर्माण गुणवत्ता और समय पर काम पूरा होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

आदिवासी विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, संविधान के अनुच्छेद 275(1) के तहत 3 पोस्ट मैट्रिक छात्रावास भवनों के लिए 574.53 लाख रुपये और 52 आश्रम शाला भवनों के लिए 8463.52 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। कुल 55 भवनों में से 34 का निर्माण कार्य प्रगति पर है, 20 के कार्यादेश जारी हो चुके हैं, जबकि एक भवन का मामला अभी निविदा स्तर पर है।

90 करोड़ का बजट, गुणवत्ता पर निगरानी सबसे बड़ी जिम्मेदारी : बीजापुर जैसे दुर्गम और वनांचल क्षेत्रों में निर्माण कार्य कराना आसान नहीं है। परिवहन, निर्माण सामग्री की उपलब्धता और भौगोलिक परिस्थितियां बड़ी चुनौतियां हैं। इसके बावजूद निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। आश्रम और छात्रावास केवल सरकारी भवन नहीं, बल्कि उन बच्चों का भविष्य हैं, जिन्हें यहां रहकर पढ़ाई करनी है।

ऐसे में निर्माण कार्यों में इस्तेमाल होने वाली सीमेंट, सरिया, रेत, गिट्टी और अन्य सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच जरूरी है। भवनों की नींव, दीवार, छत, फर्श, शौचालय, पेयजल और विद्युत व्यवस्था का तकनीकी परीक्षण भी अनिवार्य होना चाहिए। केवल निर्माण की प्रगति और खर्च की गई राशि के आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि भवन की मजबूती और उपयोगिता भी जांच का आधार बननी चाहिए।

कागजों में प्रगति नहीं, धरातल पर दिखनी चाहिए गुणवत्ता : जिले के अंदरूनी क्षेत्रों में बनने वाले इन भवनों का निर्माण पूरा होने के बाद विद्यार्थियों को सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिलना चाहिए। इसके लिए संबंधित निर्माण एजेंसियों और विभागीय अधिकारियों की जवाबदेही तय करना आवश्यक है। समय-समय पर तकनीकी अधिकारियों से निरीक्षण कराने के साथ निर्माण सामग्री के नमूनों की जांच और गुणवत्ता परीक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग हो रही है? क्या स्वीकृत मापदंडों के अनुरूप सामग्री का उपयोग किया जा रहा है? क्या निर्माण पूरा होने से पहले तकनीकी गुणवत्ता की जांच होगी? और यदि किसी भवन में निर्माण संबंधी खामी मिलती है तो जिम्मेदारी किसकी तय होगी?

शिक्षा की वापसी के साथ मजबूत भवन भी जरूरी : पूर्व में नक्सल गतिविधियों और सुरक्षा संबंधी परिस्थितियों के कारण कई आश्रम शालाओं एवं छात्रावासों को उनके मूल स्थानों से हटाकर सुरक्षित क्षेत्रों में संचालित करना पड़ा था। अब बदलते हालात में उन्हीं क्षेत्रों में फिर से शैक्षणिक अधोसंरचना विकसित करने की पहल हो रही है। इससे दूरस्थ गांवों के बच्चों को अपने क्षेत्र के नजदीक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर यह पहल आदिवासी समाज के शैक्षणिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन इस योजना की वास्तविक सफलता तभी होगी, जब 90 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाले सभी 55 भवन मजबूत, सुरक्षित और निर्धारित समय-सीमा में तैयार हों।

जनजातीय गौरव दिवस पर गढ़चिरौली कार्यक्रम का जगदलपुर में सीधा प्रसारण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



जगदलपुर, 16 नवंबर। जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित विशेष कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। 'धरती आबा' बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित इस समारोह में प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े और जनजातीय समुदाय के उत्थान तथा विरासत के संरक्षण पर अपने विचार साझा किए। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण रविवार को जगदलपुर कलेक्टोरेट स्थित प्रेरणा कक्ष में भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया।

जगदलपुर कलेक्टोरेट के प्रेरणा कक्ष में आयोजित इस लाइव प्रसारण के दौरान योग आयोग के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, महापौर संजय पाण्डे, नगर निगम सभापति खेमसिंह देवांगन सहित अन्य जनप्रतिनिधि और कलेक्टर आकाश छिक्कारा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय खन्ना, आदिवासी विकास विभाग के उपायुक्त गणेश सोरी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी तथा जनजातीय समुदाय के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री के उद्बोधन को उत्साहपूर्वक सुना। इस कार्यक्रम के दौरान जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और उनके समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया गया। अंत में जिला प्रशासन एवं आदिवासी विकास विभाग की ओर से कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

केशकाल घाट में कबाड़ से भरा लावारिश पिकअप वाहन जब्त

कोंड़ागांव, 16 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के थाना केशकाल पुलिस की घाट पेट्रोलिंग के दौरान आज रविवार को जरिये मुखबीर से सूचना मिला की केशकाल घाट नम्बर-08 के पास एक सफेद रंग की पुरानी पीकप नम्बर सीजी-13-डी-2366 लावारिश हालत में सुबह से खड़ी है। पीकप के आस-पास कोई व्यक्ति नही दिख रहा है। सूचना की तस्दीक पर सउनि. सुरेश मरकाम हमराह स्टाफ आर. 825 मनोहर निषाद के केशकाल घाट नम्बर 08 के पास पहुंच कर पीकप नम्बर सीजी-13-डी-2366 को देखा तो गाडी के सामने दरवाजा का शीशा खुला हुआ पीकप के पीछे ट्राली में मोटर सायकल का पुरानी कबाडी सामान भरा हुआ था। पीकप बिना चाबी की खडी थी वाहन स्वामी एवं चालक के संबंध में केशकाल घाट नं 08 में उपस्थित लोगों एवं राहगिरों से पीकप मालिक व चालक के संबंध में पूछ-ताछ कर पता तलाश किया।

पुलिस ने अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाई,युवक गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



बलौदाबाजार 16 नवंबर। पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा जिले में गंभीर अपराधों और हत्या जैसी वारदातों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना गिधौरी क्षेत्र अंतर्गत घटमड़वा नाला बांधा में मिले युवक के सनसनीखेज अंधे कत्ल की गुत्थी को थाना गिधौरी एवं सायबर सेल की संयुक्त पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, विस्तृत पूछताछ और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सफलतापूर्वक सुलझाते हुए हत्यारे को धर दबोचा है।

दिनांक 14.11.2026 को प्रातः 10:45 बजे सूचना मिली थी कि थाना गिधौरी क्षेत्र अंतर्गत गिधौरी और घटमड़वा के बीच बहने वाले घटमड़वा नाला बांधा में ग्राम गिधौरी निवासी आदित्य टंडन (पिता संतोष टंडन, उम्र 19 वर्ष) का शव पानी में डूबा हुआ है। सूचना पर तत्काल पुलिस बल मौके पर पहुंचा और शव को पानी से बाहर निकाला। शव के सिर-माथे पर गंभीर चोट के निशान मिले थे, जिससे प्रथम दृष्टया किसी धारदार/घातक वस्तु से वार कर हत्या किया जाना प्रतीत हुआ। ?मामले में थाना गिधौरी में मर्ग क्र. 60/26, धारा 194 बीएनएसएस के तहत जांच शुरू की गई तथा एफएसएल एवं पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया।

विवेचना के दौरान पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से निरीक्षण किया तथा घटनास्थल एवं गिधौरी घटमडवा के आसपास रहने वाले कई लोगों से भी विस्तृत पूछताछ की। इस दौरान यह जानकारी सामने आई कि घटना दिनांक 13/11/2026 के दोपहर को मृतक आदित्य टंडन को आरोपी किशन साहू के साथ बांधा तालाब घटमड़वा एनीकट की तरफ जाते हुए देखा गया था, और किशन साहू के हाथ में फावड़े जैसा औजार था। शक के आधार पर पुलिस ने आरोपी किशन साहू को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि उसने लोहे के फावड़े से सिर, माथा और आंख के पास वार कर आदित्य टंडन की हत्या की थी तथा शव को पानी में फेंक दिया था। आरोपी के मेमोरेंडम कथन के आधार पर घटना में प्रयुक्त लोहे का फावड़ा एवं आरोपी से मृतक का मोबाईल विधिवत जब्त किया गया है।

मृतक आदित्य टंडन द्वारा आरोपी की बहन पर गलत नीयत रखने के संदेह और आरोपी को उसकी शारीरिक बनावट को लेकर 'काला व कुरूप' कहकर अपमानित किए जाने के कारण उपजे तीव्र आवेश (उत्तेजना) में आकर, आरोपी ने आवेश में आकर इस घटना को अंजाम दिया और आदित्य टंडन की हत्या कर दी।÷ प्रकरण में पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर आरोपी किशन साहू के विरुद्ध थाना गिधौरी टुण्ड्रा में अपराध क्र. 239/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर दिनांक 15.11.2026 को विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

शाला में मनाई गई बिरसा मुंडा की जयंती, न्योता भोज रखा

कोंडागांव, 16 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के प्राथमिक शाला जोनदरापदर में 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्षों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन भी विद्यार्थियों ने किया। कार्यक्रम में बच्चे भगवान बिरसा मुंडा की पारंपरिक वेशभूषा पहनकर तीर-कमान के साथ उनके रूप में नजर आए। उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों के लिए विशेष न्योता भोज रखा गया। इसमें शिक्षकों और ग्रामीणों ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी और ग्रामीण मौजूद रहे। विद्यालय की प्रधानाध्यापक मधु तिवारी ने बच्चों को बिरसा मुंडा के जीवन, अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफउनके आंदोलन और देश की आजादी में उनके योगदान के बारे में बताया।

धान खरीदी के पहले दिन किसी किसान का टोकन नहीं कटा

सुकमा, 16 नवंबर। जिले में धान खरीदी के पहले दिन किसी किसान का टोकन नहीं कटा। दोपहर 03 बजे तक जिला मुख्यालय के खरीदी केंद्र में न किसान पहुंचे और न ही धान से भरी गाड़ियां आईं, खरीदी की तैयारियां पूरी थीं। परंपरानुसार कांटा पूजन भी किया गया, लेकिन जिले के किसी भी केंद्र में धान खरीदी शुरू नहीं हो सकी। कर्मचारी और अधिकारी किसानों का इंतजार करते रहे। सुकमा जिले में धान खरीदी के लिए 27 समितियां बनाई गई हैं। इनमें 18,641 किसानों ने पंजीयन कराया है। किसानों ने कुल 36,389.55 हेक्टेयर में धान की फसल लगाई है। जिले के अधिकारियों के अनुसार सुकमा में दूसरे जिलों के मुकाबले धान की कटाई देर से होती है। इसलिए शुरुआती दिनों में खरीदी केंद्रों पर किसानों की आवाजाही कम रहने का अनुमान है। अधिकारियों को उम्मीद है कि 25 नवंबर तक किसान धान लेकर केंद्रों में पहुंचने लगेंगे। दूसरे राज्यों से आने वाले धान और अवैध परिवहन पर नजर रखने के लिए जिले में 14 चेक पोस्ट बनाए गए हैं। प्रशासन ने खरीदी केंद्रों में जरूरी इंतजाम भी पूरे कर लिए हैं। पिछले खरीफसीजन में जिले में करीब 08 लाख क्विंटल धान की खरीदी हुई थी।जिला खाद्य अधिकारी रवि शंकर कोमरा ने बताया कि जिले की 27 समितियों में धान खरीदी की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। धान की कटाई देर से होने के कारण शुरुआती दिनों में किसानों की आवक कम रहने की संभावना है। 25 नवंबर तक किसानों के केंद्रों में पहुंचने की उम्मीद है। अवैध धान परिवहन पर नजर रखने के लिए 14 चेक पोस्ट भी बनाए गए हैं।

THE RAIPUR URBAN MERCANTILE CO-OP. BANK LTD. RAIPUR (CG)

ANNEX I[4]
FORM - A
FORM OF BALANCE SHEET

BALANCE SHEET OF THE RAIPUR URBAN MERCANTILE CO-OP. BANK LTD. RAIPUR (CG)
BALANCE AS ON 31st MARCH 2026

(Amount in Rs.)

	Schedule	AS ON 31-3-2026 (CURRENT YEAR)	AS ON 31-3-2025 (PREVIOUS YEAR)
CAPITAL AND LIABILITIES			
CAPITAL	1	6,349,500.00	6,154,500.00
RESERVES AND SURPLUS	2	33,646,946.13	34,000,082.92
DEPOSITS	3	270,138,834.48	255,350,937.63
BORROWINGS	4	0.00	0.00
OTHER LIABILITIES AND PROVISIONS	5	4,603,132.77	7,548,781.97
TOTAL		**314,738,413.38**	**303,054,302.52**
ASSETS			
CASH AND BALANCES WITH RESERVE - BANK OF INDIA	6	7,713,858.00	8,622,325.00
BALANCE WITH BANKS AND MONEY - AT CALL AN SHORT NOTICE	7	52,274,564.99	60,652,442.09
INVESTMENTS	8	99,553,490.00	84,300,130.00
ADVANCES	9	149,353,321.74	136,913,878.67
FIXED ASSESTS	10	1,869,732.51	2,178,482.65
OTHER ASSETS	11	3,973,446.14	10,387,044.11
TOTAL		**314,738,413.38**	**303,054,302.52**
CONTINGENT LIABILITIES BILLS FOR COLLECTION	12	1,583,554.20	1,489,434.71

Annex I

THE RAIPUR URBAN MERCANTILE CO-OP. BANK LTD. RAIPUR (CG)

Schedule 1 - Capital

(Amount in Rs.)

		AS ON 31-3-2026 (CURRENT YEAR)	AS ON 31-3-2025 (PREVIOUS YEAR)
I	For Nationalised Banks Capital (Fully owned by Central Government)		
II	For Banks incorporated outside India Capital (i) The amount brought in by banks by way of start-up capital as prescribed by RBI should be shown under this head. (ii) Amount of deposit kept with the RBI under Section 11(2) of the Banking Regulation Act, 1949		
	Total		
III	For Other Banks		
	Authorised Capital : 100000 Shares of Rs.100/-Each	10,000,000.00	10,000,000.00
	Issued Capital : 63495 Shares of Rs.100/-Each	6,349,500.00	6,154,500.00
	Subscribed Capital : 63495 Shares of Rs.100/-Each	6,349,500.00	6,154,500.00
	Called-up Capital :	0.00	0.00
	less: Calls unpaid		
	Add: Forfeited shares		
	Total	**6,349,500.00**	**6,154,500.00**

Annex I

THE RAIPUR URBAN MERCANTILE CO-OP. BANK LTD. RAIPUR (CG)

Schedule 2 - Reserves and Surplus

(Amount in Rs.)

		AS ON 31-3-2026 (CURRENT YEAR)	AS ON 31-3-2025 (PREVIOUS YEAR)
I.	Statutory Reserves	**25700723.57**	**25459299.32**
	Opening Balance	25459299.32	24613667.84
	Additions during the year	241424.25	845631.48
	Deductions during the year	0.00	0.00
II.	Capital Reserves	**4408443.77**	**4309585.99**
	Opening Balance	4309585.99	4108562.30
	Additions during the year	98857.78	201023.69
	Deductions during the year	0.00	0.00
III.	Share Premium	0.00	0.00
	Opening Balance	0.00	0.00
	Additions during the year	0.00	0.00
	Deductions during the year	0.00	0.00
IV.	Revenue and Other Reserves	**3210486.58**	**2962060.61**
	Opening Balance	2873215.36	2858949.88
	Additions during the year	772260.22	3112423.97
	Deductions during the year	434989.00	3009313.24
V.	Balance in Profit and Loss Account	**327292.21**	**1269137.00**
	Total (I, II, III, IV and V)	**33646946.13**	**34000082.92**

THE RAIPUR URBAN MERCANTILE CO-OP. BANK LTD. RAIPUR (CG)

Schedule 3 - Deposits

(Amount in Rs.)

		AS ON 31-3-2026 (CURRENT YEAR)	AS ON 31-3-2025 (PREVIOUS YEAR)
A. I	Demand Deposits (Current)		
	(i) From Banks	0.00	0.00
	(ii) From Others	30,970,409.97	29,673,814.35
II.	Savings Bank Deposits	73289644.51	58416664.28
III.	Term Deposits		
	(i) From Banks	0.00	0.00
	(ii) From Others	165,878,780.00	167,260,459.00
Total	(I, II and III)	**270,138,834.48**	**255,350,937.63**
B.	(i) Deposits of Branches in India	0.00	0.00
	(ii) Deposits of Branches Outside India	0.00	0.00
Total	(i&ii)	**0.00**	**0.00**
	Total (A and B)	**270,138,834.48**	**255,350,937.63**

Annex I

THE RAIPUR URBAN MERCANTILE CO-OP. BANK LTD. RAIPUR (CG)

Schedule 4 - Borrowings

(Amount in Rs.)

		AS ON 31-3-2026 (CURRENT YEAR)	AS ON 31-3-2025 (PREVIOUS YEAR)
I.	Borrowings in India (a) Reserve Bank of India (b) Other Banks (c) Other Institutions and Agencies	0.00	0.00
II.	Borrowings outside India	0.00	0.00
	Total (I and II)	0.00	0.00

Secured borrowings included in I and II above- Rs.

Schedule 5 - Other Liabilities and Provisions

(Amount in Rs.)

		AS ON 31-3-2026 (CURRENT YEAR)	AS ON 31-3-2025 (PREVIOUS YEAR)
I.	Bills Payable (Pay Order Payable)	3,067,458.04	6,012,962.38
II.	Inter-Office adjustment (net)	0.00	0.00
III.	Interest accrued	0.00	0.00
IV.	Others (including provisions)	1,535,674.73	1,535,819.59
	Total	**4,603,132.77**	**7,548,781.97**

Annex I

THE RAIPUR URBAN MERCANTILE CO-OP. BANK LTD. RAIPUR (CG)

Schedule 6 - Cash and Balances with Reserve Bank of India

(Amount in Rs.)

		AS ON 31-3-2026 (CURRENT YEAR)	AS ON 31-3-2025 (PREVIOUS YEAR)
I.	Cash in Hand (Including foreign currency notes)	**7713858.00**	**8622325.00**
	i). Cash in Hand - In Safe	7558958.00	8395225.00
	ii). Cash in ATM	154900.00	227100.00
II.	Balances with Reserve Bank of India	**0.00**	**0.00**
	(i) in Current Accounts	0.00	0.00
	(ii) in Other Accounts	0.00	0.00
Total	(I and II)	**7713858.00**	**8622325.00**

Schedule 7 - Balances with Bank and Money at Call and Short Notice

(Amount in Rs.)

		AS ON 31-3-2026 (CURRENT YEAR)	AS ON 31-3-2025 (PREVIOUS YEAR)
I.	In India		
	(i) Balances with banks	**52274564.99**	**60652442.09**
	(a) in Current Accounts	28887032.99	37774934.09
	(b) in Other Deposit Accounts (Fixed)	23387532.00	22877508.00
	(ii) Money at call and short notice	**0.00**	**0.00**
	(a) with banks	0.00	0.00
	(b) with other institutions	0.00	0.00
	Total (iand ii)	**52274564.99**	**60652442.09**
II.	Outside India		
	(i) in Current Accounts	0.00	0.00
	(ii) in Other Deposit Accounts	0.00	0.00
	(iii) Money at call and short notice	0.00	0.00
	Total (i, ii and iii)	**0.00**	**0.00**
	Grand Total (I and II)	**52274564.99**	**60652442.09**

Annex I

THE RAIPUR URBAN MERCANTILE CO-OP. BANK LTD. RAIPUR (CG)

Schedule 8 - Investment

(Amount in Rs.)

		AS ON 31-3-2026 (CURRENT YEAR)	AS ON 31-3-2025 (PREVIOUS YEAR)
I.	Investment in india in		
	(i) Government Securities	74553490.00	59300130.00
	(ii) Other approved securities	0.00	0.00
	(iii) Shares	0.00	0.00
	(iv) Debentures and Bonds	0.00	0.00
	(v) Subsidiaries and/or joint ventures	0.00	0.00
	(vi) Others (Mutual Fund)	25000000.00	25000000.00
	Total	**99553490.00**	**84300130.00**
II.	Investment outside india in		
	(i) Government securities (including local authorities)	0.00	0.00
	(ii) Subsidiaries and/or joint ventures abroad	0.00	0.00
	(iii) Others investment (to be specified)	0.00	0.00
	Total	0.00	0.00
	Grand Total (I and II)	**99553490.00**	**84300130.00**

Annex I

THE RAIPUR URBAN MERCANTILE CO-OP. BANK LTD. RAIPUR (CG)

Schedule 9 - Advances

(Amount in Rs.)

		AS ON 31-3-2026 (CURRENT YEAR)	AS ON 31-3-2025 (PREVIOUS YEAR)
A.	(i) Bills purchased and discounted		
	(ii) Cash Credit, Overdrafts and loans repayable on demand	34635784.21	28469524.25
	(iii) Term Loans	114717537.53	108444354.42
	Total	149353321.74	136913878.67
B.	(i) Secured by tangible assets	136711709.88	126806428.71
	(i) Covered by Bank/Government Guarantees		
	(ii) Unsecured	12641611.86	10107449.96
	Total	149353321.74	136913878.67
C. I.	Advances in India		
	(i) Priority Sectors	90466017.52	84144288.22
	(ii) Public Sectors		
	(iii) Banks	0.00	0.00
	(iv) Others	58887304.22	52769590.45
	Total	149353321.74	136913878.67
C. II.	Advances outside India		
	(i) Due from banks	0.00	0.00
	(ii) Due form others	0.00	0.00
	(a) Bills purchased and discounted	0.00	0.00
	(b) Syndicated loans	0.00	0.00
	(c) Others	0.00	0.00
	Total	0.00	0.00
	Grand Total (C . I and II)	**149353321.74**	**136913878.67**

Annex I

THE RAIPUR URBAN MERCANTILE CO-OP. BANK LTD. RAIPUR (CG)

Schedule 10 - Fixed Assets

(Amount in Rs.)

		AS ON 31-3-2026 (CURRENT YEAR)	AS ON 31-3-2025 (PREVIOUS YEAR)
I.	Premises	0.00	0.00
	At cost as on 31st March of the Preceding year	0.00	0.00
	Additions during the year	0.00	0.00
	Deductions during the year	0.00	0.00
	Depreciation during the year	0.00	0.00
	Depreciation to date	0.00	0.00
	Total I	0.00	0.00
II.	Other Fixed Assets (including furniture and fixtures)		
	At cost as on 31st March of the Preceding year	2178482.65	2551409.58
	Additions during the year	40000.82	77161.02
	Sub Total	2218483.47	2628570.60
	Deductions during the year	0.00	0.00
	Sub Total	2218483.47	2628570.60
	Depreciation during the year	0.00	0.00
	Sub Total	2218483.47	2628570.60
	Depreciation to date	348750.96	450087.95
	Total II	**1869732.51**	**2178482.65**
	Total (I and II)	**1869732.51**	**2178482.65**

Annex I

THE RAIPUR URBAN MERCANTILE CO-OP. BANK LTD. RAIPUR (CG)

Schedule 11 - Other Assets

(Amount in Rs.)

		AS ON 31-3-2026 (CURRENT YEAR)	AS ON 31-3-2025 (PREVIOUS YEAR)
I.	Inter-office adjustment (net)	0.00	0.00
II.	Interest accrued	1696566.00	2101209.00
III.	Tax paid in advance/tax deducted at source	0.00	0.00
IV.	Stationery and stamps	563287.03	563459.03
V.	Non-banking assets acquired in satisfaction of claims	0.00	0.00
VI.	Others	1713593.11	7722376.08
	Total	**3973446.14**	**10387044.11**

For, **The Raipur Urban Mercantile Co-Op. Bank Ltd.**

Annex I

THE RAIPUR URBAN MERCANTILE CO-OP. BANK LTD. RAIPUR (CG)

Schedule 12 - Contingent Liabilities

(Amount in Rs.)

		AS ON 31-3-2026 (CURRENT YEAR)	AS ON 31-3-2025 (PREVIOUS YEAR)
I.	Claims against the bank not acknowledged as debts		
II.	Liability for party paid investments		
III.	Liability on account of outstanding forward exchange contracts		
IV.	Guarantees given on behalf of constituents (a) In India (Bank Guarantees) (b) Outside India	600000.00	600000.00
V.	Acceptance, endorsements and other obligations		
VI.	Other items for which the bank is contingently liable (Deaf)	983554.20	889434.71
	Total	**1583554.20**	**1489434.71**

For, **The Raipur Urban Mercantile Co-Op. Bank Ltd.**

THE RAIPUR URBAN MERCANTILE CO-OP. BANK LTD. RAIPUR (CG)

ANNEX I
FORM - B
Form of Profit and Loss Account for the year ended on 31st March 2026

(Amount in Rs.)

		Schedule	AS ON 31-3-2026 (CURRENT YEAR)	AS ON 31-3-2025 (PREVIOUS YEAR)
I.	Income			
	Interest	13	21,437,840.00	19,670,706.44
	Other Income	14	4,091,676.30	4,567,854.94
	Total		**25,529,516.30**	**24,238,561.38**
II.	Expenditure			
	Interest expended	15	14,179,934.44	12,499,939.00
	Operating expenses	16	10,969,289.65	10,239,485.38
	Provisions and contingencies		53,000.00	230,000.00
	Total		**25,202,224.09**	**22,969,424.38**
III.	Profit/Loss			
	Net profit/loss(-) for the year		327,292.21	1,269,137.00
	Profit/loss(-) brought forward			
	Total		**327,292.21**	**1,269,137.00**
IV.	Appropriations			
	Transfer to statutory reserves			
	Transfer to other reserves			
	Transfer to Government/ proposed dividend			
	Balance carried over to balance sheet			

For, **The Raipur Urban Mercantile Co-Op. Bank Ltd.**

Annex I

THE RAIPUR URBAN MERCANTILE CO-OP. BANK LTD. RAIPUR (CG)

Schedule 13 - Interest Earned

(Amount in Rs.)

		AS ON 31-3-2026 (CURRENT YEAR)	AS ON 31-3-2025 (PREVIOUS YEAR)
I.	Interest/discount on advances/bills	15323878.00	13134346.00
II.	Income on investments	6113962.00	6536360.44
III.	Interest on balances with Reserve Bank of India and other inter-bank funds		
IV.	Others		
	Total	**21437840.00**	**19670706.44**

Schedule 14 - Other Income

(Amount in Rs.)

		AS ON 31-3-2026 (CURRENT YEAR)	AS ON 31-3-2025 (PREVIOUS YEAR)
I.	Commission, exchange and brokerage	210703.86	192013.8
II.	Profit on sale of investments		
	Less : Loss on sale of invetments		
III.	Profit on revaluation of investments		
	Less : Loss on revaluation of invetments		
IV.	Profit on sale of land, buildings and other assets	1981159.41	2549837.25
	Less: Loss on sale of land, buildings and other assets		
V.	Profit on exchange transactions		
	Less: Loss on exchange transactions		
VI.	Income earned be way of dividends, etc. from subsidiaries/companies and or/joint ventures abroad/ in india		
VII.	Miscellaneous Income	1899813.03	1826003.89
	Total	**4091676.30**	**4567854.94**

Annex I

THE RAIPUR URBAN MERCANTILE CO-OP. BANK LTD. RAIPUR (CG)

Schedule 15 - Interest Expended

		AS ON 31-3-2026 (CURRENT YEAR)	AS ON 31-3-2025 (PREVIOUS YEAR)
I.	Interest on deposits	14,179,934.44	12,499,939.00
II.	Interest on Reserve Bank of India/ inter-bank borrowings		
III.	Others		
	Total	**14,179,934.44**	**12,499,939.00**

Schedule 16 - Operating Expenses

(Amount in Rs.)

		AS ON 31-3-2026 (CURRENT YEAR)	AS ON 31-3-2025 (PREVIOUS YEAR)
I.	Payments to and provisions for employes	4,979,951.00	4,793,924.00
II.	Rent, taxes and lighting	1,961,444.73	1,988,442.01
III.	Printing and stationery	107,129.10	86,603.54
IV.	Advertisement and publicity	15,000.00	11,000.00
V.	Depreciation on bank's property	348,750.96	450,087.95
VI.	Director's fees, allowances and expenses	0	0
VII.	Auditor's fees and expenses (including branch auditors)	373,480.00	252,800.00
VIII.	Law charges	36,060.00	6,720.00
IX.	Postages, Telegrams, Telephones, etc.	57,396.34	54,226.98
X.	Repairs and maintenance	1,163,046.74	872,364.74
XI.	Insurance	583,023.20	505,504.47
XII.	Other expenditure	1,344,007.58	1,217,811.69
	Total	**10,969,289.65**	**10,239,485.38**

For, **The Raipur Urban Mercantile Co-Op. Bank Ltd.**

RAKESH AKULA
CEO

CA. UPENDRA LEELA JHABAK
M/S LNUA & Associates
Chartered Accountants
M.NO. 404576
FRN.- 012293C

continue -pag-7

LNUA & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS

D-363/5, Behind Bhansali Kalpvriksha
Tagore Nagar, Raipur (C.G)

Independent Statutory Auditor's Report

To,
The Members of,
The Raipur Urban Mercantile Co-op Bank Ltd,
Raipur

Report on Audit of the Financial Statements

Part I

Qualified Opinion

1. We have audited the Yearly Financial Statement of **The Raipur Urban Mercantile Co-op Bank Ltd, Raipur** which comprise of the Balance Sheet as at 31st March 2026, & Profit and Loss Account of the bank for the year ended 31st March 2026, (hereinafter referred to as financial statements).

2. In our opinion, and to the best of our information andaccording to the explanations given to us, read with the Memorandum of Changes (as given in Para 12), except for the effects of the matter described in the Basis for Qualified Opinion section of our report, the aforesaid financial statements give the information required by the Banking Regulation Act, 1949 (Act), in the manner so required for bank and give

a. true and fair view in case of the Balance sheet, of the state of affairs of the Bank as at 31st March, 2026; and
b. true balance of profit/loss in case of Statement of Profit & Loss account for the year ended on that date.

Basis for Qualified Opinion

3. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing (SAs) issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI). Our responsibilities under those standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the bank in accordance with the code of ethics issued by the ICAI together with ethical requirements that are relevant to our audit of the financial statements under the provisions of the Act, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the code of ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our Qualified opinion.

The accounting standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India are applicable to the bank for the purpose of maintenance of books of accounts, preparation and presentation of the financial statements and other relevant areas. However during the course of our audit, we have observed certain areas of non compliances are sufficient and appropriate for the basis of our qualified opinion:

i) The bank has not provided for current income tax liability and deferred tax liability in accordance with the requirements of accounting standard (AS22)- Accounting for Taxes on Income. In the absence of such provision and related disclosures, the impact on the profit for the year, tax expense, deferred tax assets/liabilities and reserves is not ascertainable.

ii) The bank has not carried out an actuarial valuation of its gratuity liability as at the balance sheet date, which is required under Accounting Standard (AS)-15 –Employee Benefits. In the absence of such actuarial valuation, we are unable to determine whether any adjustment is necessary to the gratuity liability, employee benefit expenses, or related disclosures in the financial statements.

Management's Responsibility for the Financial Statements

4. The Bank Management is responsible with respect to the preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position and financial performance of the Bank in accordance with the accounting principles generally accepted in India, recognized accounting policies and practices, including the Accounting Standards issued by the ICAI, provisions of Section 29 of the Banking Regulation Act, 1949 and complying with circulars and guidelines issued by the Reserve Bank of India ('RBI') from time to time. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act forsafeguarding of the assets of the Branch and for preventing and detecting fraudsand other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies as decided by Head Office; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance ofadequate internal controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and Completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

5. In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the Bank's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Bank or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

Auditor's Responsibility for the Audit of Financial Statements

6. Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these financial statements.

7. As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit.To the extent applicable at branch, we also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions,misrepresentations, or the override of internal control.

- Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on the effectiveness of the Banks's internal control.

- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.

- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Entity's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Entity to cease to continue as a going concern.

- Evaluate the overall presentation, structure and content of the financial statements, including the disclosures, and whether the financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

8. We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that I / we identify during our audit.

9. We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

10. The Balance Sheet and the Profit and Loss Account have been drawn up in accordance with the provisions of Section 29 of the Banking Regulation Act, 1949 and the Chhattisgarh State Cooperative Societies Act, 1960 and rules made there under.;

11. Further to our comment we report that:

a) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of theaudit and have found them to be satisfactory;
b) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the bank so far as appears from our examination of those books.
c) The Balance Sheet referred to in this report are in agreement with the books of account;
d) In our opinion, the Balance Sheet and Profit & Loss Account dealt with by this report comply with the Accounting Standards prescribed by the Institute of Chartered Accountants of India, except for the matter described in the *basis for Qualified Opinion paragraph*

Part II

12. MOCs suggested if any: Nil

For, LNUA & Associates
Chartered Accountants
FRN: 012293C

Place : Raipur
Date : 25.06.2026
UDIN : 26404576GJFYEA6257

Upendra Leela Jhabak
M.NO. 404576
Partner

The Raipur Urban Mercantile Co-op Bank Ltd. Raipur (C.G.)

Accounting Polices and Notes forming part of the Balance Sheet as at March 31, 2026 and Profit and Loss Account for the year ended March 31, 2026.

1) Basis of preparation :

The financial statements have been prepared and presented under the historical cost convention on the accrual basis of accounting, unless otherwise stated, and comply with generally accepted accounting principles, statutory requirements prescribed under the Banking Regulation Act 1949, and the Chhattisgarh Co-operative Societies Act 1960, circulars and guidelines issued by the Reserve Bank of India ('RBI') from time to time, the Accounting Standards ('AS') issued by the Institute of Chartered Accountants of India ('ICAI') and current practices prevailing within the Banking industry in India.

2) Use of estimates

The preparation of the financial statements in conformity with generally accepted accounting principles requires management to make estimates and assumptions that affect the reported amounts of assets and liabilities, revenues and expenses and disclosure of contingent liabilities at the date of the financial statements. Actual results could differ from those estimates. Management believes that the estimates used in the preparation of the financial statements are prudent and reasonable. Any revisions to the accounting estimates are recognized prospectively.

Details regarding disclosure norms

(i) Capital to Risk Weight Asset Ratio (CRAR)
290.97 / 1605.90 = 18.12 %

(ii) Movement of CRAR i.e. CRAR as on Balance Sheet date for the current year vis-a-vis previous year.

As on 31.03.2025	As on 31.03.2026
18.91%	18.12 %

(iii) Investments :

(a) Book value & face value of investments :

S.No.	Particulars	Book Value	Face Value
1.	Fixed deposit with other banks	23387532.00	23387532.00
2.	Share of DCCB/Apes Bank/U.B.Fed.	12000.00	12000.00
3.	Govt. Securities	74517710.00	74517710.00

(b) Market value of Investment :

1.	Fixed deposit with other banks	23387532.00
2.	Share of DCCB/Apex Bank/V.B.Fed.	12000.00
3.	Govt. Securities	74517710.00

Notes of Accounts

Issuer Composition of Non SLR Investments

(in crore)

S.No.	Issuer	Amount	Extent of below investment grade securities	Extent of unrated securities	Extent of unlisted securities
1.	Mutual Funds	-	-	-	-
2.	others				
3.	Provision held towards depreciation		NIL		

Non performing Non SLR Investments

Particulars	Amount (in crore)
Opening Balance	Nil
Addition during the year	Nil
Reduction during the year	Nil
Closing Balance	Nil
Total provision held	Nil

(iv) Advances against real estate, construction business housing securities

Housing Loan

	Sanctioned	Outstanding as on 31.03.2026
	47797000.00	35594841.22

(v) Advances against shares & debentures : Nil

(vi) Advances to Directors, their relatives, companies/firms in which they are interested :

(a) Fund based : Nil

(b) Non fund based : (Guarantees L/C etc.)

Guarantee of 6.00 lacs issued to Directors/Relatives against security of 100% F.D.R.

(vii) **Cost of deposits :** Average cost of deposits.

Deposits as on 31.03.2026 was 2701.39 lacs and average deposit as on 31.03.2026 has been worked to 2614.20 lakhs. Interest paid for the corresponding period is Rs. 134.79 lakhs. Hence average cost of deposit is 5.16%.

(viii) NPA's : (Rs. in lacs)

(a) Gross NPA's	12.51	0.84%
(b) Net NPA's	0	0.00

(ix) **Movement in NPAs** i.e. gross and net NPA's as on Balance sheet date for the current year vis-a-vis previous year. (Net NPAs should he arrived after deducting provisions held. interest suspense A/c).

	NPA	Dilution	Addition	End of the Year 2025-26
2024-25	10.93	-	1.58	12.51

(x) **Profitability :** (Rs. in lacs)

(a) Interest income as percentage of working funds :

Interest income	231.24	
Working funds	3147.38	7.35%

(b) Non interest income as a percentage of working funds :

Non interest income	24.06	
Working funds	3147.38	0.76%

(C) Operating profit as a percentage of working funds :

Operating profit	3.27	
Working funds	3147.38	0.10%

(d) Return of Assets : 97.17

(e) Business (Deposit + Advances) per employee :

Deposit	2701.39
Advances	1493.53
	4194.92

No. of Employee - 11 Per employee business 381.36 Lacs.

(f) Profit per employee :

Net profit 3.27 lacs. No. of employee is 11 Per employee profit is 0.30 Lacs.

(xi) Provisions made towards NPAs, depreciation in investments, standard assets :

(a)	Bad debts reserve fund	-	15,24,406.64
(b)	Performing Assets Provision	-	593244.00
(c)	Amortisation of G. Sec.	-	1,340.00
(d)	Investment Depreciation	-	0.00
		-	

(xii) Movement in provision (i.e.) Provision as on Balance sheet date for the current year vis-a-vis previous year :

		As on 31.03.2024	As on 31.03.2025
(a)	BDDR Reserve Fund	15,24,406.64	15,24,406.64
(b)	Amortisation of G. Sec.	1,340.00	1,340.00
(c)	Towards Standard Assets	5,40,244.00	5,93,244.00
(d)	Investment Depreciation	0.00	0.00

(xiii) **Foreign currency assets & liabilities (if applicable) :** N.A.

(xiv) Payment of DICGC Insurance premium :

Bank is regular in payment of Insurance premium to DICGC.

Half year ended	Amount of premium	Date of Payment
Sept. 2025	1,77,556.00	01.11.2025
March 2026	1,75,320.00	29.05.2026

(xv) Bank has not restructured any advances and bank has not received any application for restructuring any advances.

(xvi) Bank has no fixed assets therefore valuation of fixed assets not required. Furniture fixtures, computers, charged deprecition at written down value. Plant and machinery, furniture & fixtures and office equipment are depreciated on written value method @ 10%, 15% and 33.33% p.a. respectively.

For, The Raipur Urban Mercantile Co-op. Bank Ltd.

SWAROOP CHAND JAIN
Chairman

CHANDRA PRAKASH VERMA
Vice Chairman

RAKESH AKULA
C.E.O.

UPENDRA LEELA JHABAK
CHARTERED ACCOUNTANTS

M.No. 404576

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

किसानों के सम्मान और समृद्धि का उत्सव



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

धान खरीदी उत्सव 2026-27

15 नवंबर 2026 से धान खरीदी प्रारंभ

प्रदेश के सभी **3,100 उपार्जन केंद्रों पर होगी खरीदी**

₹3,100 प्रति क्विंटल
की दर से धान खरीदी

₹13,839 प्रति एकड़
की दर से आदान सहायता

21 क्विंटल से कम
धान बेचने पर भी मिलेगी
पूरी आदान सहायता राशि

25.49 लाख कृषक एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीकृत
कृषकों को **नहीं कराना होगा दोबारा पंजीयन**

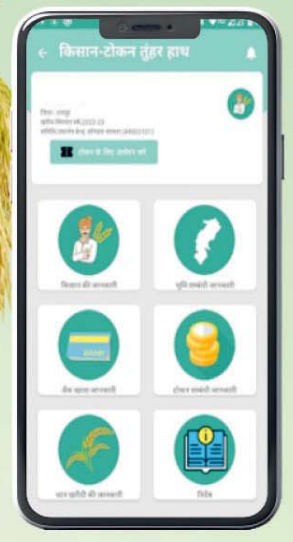
कृषक कल्याण की
विभिन्न योजनाओं से
₹ 1.50 लाख करोड़
से अधिक की राशि अंतरित

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
25 लाख किसान
लाभान्वित



बायोमेट्रिक प्रणाली से
पारदर्शी खरीदी व्यवस्था

तुंहर टोकन ऐप से
घर बैठे टोकन व्यवस्था



24x7
उपलब्ध

छत्तीसगढ़ संवाद आर. ओ. 49792/109

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in
हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26